गैरसैंण,सोमवार
17 जून 2024
वर्षः 16
अंकः 53 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापकः स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

दो साल के प्रवास के लिए दोहा पहुंचे गढ़ चालदा महाराज

विकासनगर। चकराता ब्लॉक के खत बन गांव के घणता गांव में 23 माह 16 दिन प्रवास के बाद गढ़ चालदा महाराज रविवार को अपने नए पड़ाव कालसी ब्लॉक के खत सैली के दोहा गांव के लिए रवाना हुए। रविवार सुबह शुभ मुहूर्त में विराजमान स्थान से बाहर आकर महाराज ने हजारों श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। हजारों श्रद्धालु महाराज की ऐतिहासिक विदाई के गवाह बने। इस दौरान श्रद्धालुओं ने महाराज की डोली को नमन कर मन्नतें मांगीं। दो वर्ष पूर्व कोटा तपलाड़ से गढ़ चालदा महाराज घणता गांव पहुंचकर यहां मंदिर में विराजमान हुए थे। रविवार को महाराज की यात्रा ने घणता से दोहा की ओर प्रस्थान किया। देव आज्ञा के बाद विधि विधान से सुबह महाराज की डोली, छड़ी और चिह्नों को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ देव धुन पर घणता मंदिर के गर्भगृह से बाहर निकाला गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज तक खत बनगांव के ग्रामीण महाराज की सेवा कर रहे थे, अब आगे खत सैली को यह पुण्य अवसर प्राप्त हुआ है। रविवार सुबह ठीक 11 बजकर 28 मिनट पर चालदा महाराज की मंदिर से विदाई की तैयारियां शुरू हुई। जैसे ही महाराज की डोली विदाई के लिए बाहर निकली तो खत बनगांव के लोगों की आंखे छलक आईं। अपने आराध्य देव को गांव से जाता देख ग्रामीण महिला, पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग मायूस नजर आए। 30 जून 2022 को महाराज के घणता पहुंचने के बाद से ही पूरी खत महाराज की भक्ति में डूबी हुई थी। पूरी खत में उत्सव का माहौल था। आज महाराज के गांव से जाते ही लोग काफी भावुक होते नजर आए।

भारतीय रेलवे की बड़ी उपलब्धि, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ नाम

नईदिल्ली,भारतीय रेलवे ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्समें अपना नाम दर्ज कराया है। रेलवे को यह उपलब्धि कई स्थानों पर सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम में सबसे ज्यादा लोगों की मौजूदगी के लिए हासिल हुई है। दरअसल, रेल मंत्रालय ने 26 फरवरी 2024 को एक कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन 2140 जगहों पर हुआ और इसमें 40,19,516 लोगों ने हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम का आयोजन रेलवे पुलों के ऊपर/नीचे सडक् के उद्घाटन और रेलवे स्टेशनों की आधारशिला रखने के लिए किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। भारतीय रेलवे के इस बड़े प्रयास में लोगों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की। इस उपलब्धि को लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।आपको बता दें कि एक बार फिर से अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दूसरी बार रेल मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया है। वैष्णव को रेल मंत्रालय के साथ ही सूचना और प्रसारण मंत्रालय भी मिला है रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस दूसरे कार्यकाल में उनकी प्राथमिकता वेटिंग टिकट की समस्या को दूर करने की होगी। वह जल्द से जल्द इस समस्या को दूर करना चाहते हैं। रेल मंत्रालय भी इस कोशिश में जुट गया है कि सभी को कंफर्म टिकट मिले। एक अनुमान के मुताबिक अगर रेलवे रोजाना तीन हजार अतिरिक्त ट्रेन चलाए तो वेटिंग टिकट की समस्या से निजात मिल सकती है।

नर्सिंग अफसर से बदसलूकी में डॉक्टर पर मुकदमा

ऋषिकेश। एम्स में बीते शनिवार की रात अनुशासन एक बार फिर तार–तार हो गया। सीनियर रेजीडेंट ऑपरेशन थिएटर में ही महिला नर्सिंग अफसर से भिड़ गया। बदलसूकी पर एम्स प्रशासन ने जहां सीनियर रेजीडेंट को सस्पेंड कर दिया है वहीं अब पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करा लिया है। पुलिस ने मारपीट और अन्य धाराओं में दर्ज मामले की छानबीन शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक संस्थान के यूरोलॉजी विभाग में तैनात एक महिला नर्सिंग अफसर ने तहरीर देकर बताया कि शनिवार शाम ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टर आशीष बेवजह भड़क गए। उन्होंने बदसलूकी करते हुए अपशब्द कहे। जान से मारने की धमकी भी दी। झपटने के दौरान गर्दन तक पकड़ ली। अन्य स्टाफ ने किसी तरह से बीच बचाव किया। मामले में पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर आशीष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी में जा रहा था परिवार, खाई में गिरी कार, तीन बच्चों सहित चार की मौत , तीन घायल

पौड़ीः पौड़ी जिले में खिर्सू कठुली लिंक मोटर मार्ग पर दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक स्विफ्ट कार खाई में गिर गई। हादसे में तीन बच्चों सहित चार लोगों की मौत है। वहीं तीन कार सवार चोटिल हैं। घायल साक्षी और समीक्षा को खिर्सू से एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश भेजा गया है। तीसरे घायल 11 वर्षीय सागर उर्फ कान्हा को बेस अस्पताल श्रीकोट लाया जा रहा है। बताया गया कि ये सभी एक ही परिवार के थे। सभी कठुली से परसुण्डाखाल बरात में जा रहे थे। कार में परिवार के सात सदस्य सवार थे। कार अनियंत्रित होकर 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। यह मोटर मार्ग काठुली गांव को श्रीनगर से जोड़ता है।

- **घायल**
  - कान्हा पुत्र अजय, ग्राम उरेगी उम्र–11 वर्ष
  - साक्षी नेगी पुत्री सुरेश नेगी, परसुण्डाखाल उम्र–14 वर्ष
  - समीक्षा रावत पुत्री विनोद रावत, काठुली उम्र–15 वर्ष
- **मृतक**
  - सृष्टी नेगी पुत्री सुरेश नेगी, ग्राम परसुण्डाखाल उम्र 15वर्ष
  - आरुषी पुत्री अजय, ग्राम उरेगी उम्र– 09 वर्ष
  - सौम्या पुत्री गणेश, परसुण्डाखाल उम्र–05 वर्ष
  - मनवर सिंह उर्फ सोनू (ड्राइवर)

महाराज ने वाहन दुर्घटनाओं पर जताया दुख

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सतपुली क्षेत्र में दो अलग–अलग स्थानों पर हुई वाहन दुर्घटना में लोकनिर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति की आत्म शांति के लिए भी प्रार्थना की। अपने क्षेत्र में द–दो सड़क दुघर्टनाओं की खबर मिलते ही मंत्री सतपाल महाराज ने दुर्घटना पर अफसोस जताते हुए मृतक के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने जिलाधिकारी व पुलिस को घायलों को बेहतर उपचार के हर संभव प्रयास करने के निर्देश भी दिए। महाराज ने कहा है कि राज्य सरकार और प्रशासन द्वारा घायलों की हरसंभव मदद की जाएगी। उन्होंने ग्राम काण्डा पट्टी असवालस्यू निवासी रमेश सिंह की कार दुर्घटना में मृत्यु होने पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

सतपुली–गुमखाल के मध्य कुल्हाड़ बैंड के समीप मैक्स वाहन खाई में गिरी ,नौ घायल

दुर्घटना के बाद रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को खाई से बाहर निकालती एसडीआरएफ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सतपुली–गुमखाल के मध्य कुल्हाड़ बैंड के समीप एक मैक्स वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। दुर्घटना में वाहन सवार नौ लोग घायल हो गए। घायलों को 108 की मदद से सतपुली स्थित हंस अस्पताल पहुंचाया गया। घटना रविवार सुबह छह बजे की है। सतपुली से मैक्स वाहन सवारियों को लेकर कोटद्वार की ओर आ रहा था। इसी दौरान कुल्हाड़ बैंड के समीप अचानक वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। मार्ग से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने घटना की सूचना सतपुली व गुमखाल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में कशाणी तिमली गांव निवासी कीर्ति रावत, संजय कुमार, कुलवंती देवी, सूरज गुसाईं, सूरज पाल, रश्मी, भगवती देवी, अनिता, सरोज घायल हैं। सभी व्यक्ति रविवार को गांव से हरिद्वार गंगा स्नान के लिए निकले थे। घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

दंगलेश्वर के समीप खाई में गिरी कार, एक की मौत चार घायल

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वारः सतपुली क्षेत्र के अंतर्गत दंगलेश्वर महादेव के समीप एक आल्टो कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि, घायल चार अन्य लोगों को चमोलीसैंण अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। रविवार को ग्राम रेतपुर से एक आल्टोकार सतपुली की तरफ आ रही थी, दंगलेश्वर महादेव के निकट आल्टोकार अनियंत्रित होकर लभभग सौ मीटर नीचे खाई में जा गिरी। सूचना मिलने पर सतपुली पुलिस ने घायलों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि आल्टोकार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से ग्राम रेतपुर, तहसील लैंसडौन निवासी वाहन चालक राजेंद्र सिंह उम्र 62 वर्ष पुत्र कुंवर सिंह, बलवीर सिंह रावत उम्र 42 वर्ष पुत्र प्रेम सिंह, ग्राम नंदपुर कोटद्वार निवासी सोहन सिंह उम्र 59 वर्ष पुत्र दिगंबर सिंह, ग्राम कठुर निवासी रौनक उम्र 11 वर्ष पुत्र विनोद सिंह गंभीर रूप से घालय हो गए। दुर्घटना में बौंसाल तहसील सतपुली निवासी रमेश सिंह उम्र 43 वर्ष पुत्र कलम सिंह की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए चमोलीसैंण स्थित हंस फाउंडेशन चिकित्सालय में भर्ती करवा दिया है।

एनसीईआरटी ने 12वीं की किताब से हटाया बाबरी मस्जिद का नाम

नईदिल्ली,। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने 12वीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की किताब में बड़े बदलाव किए हैं।इस किताब में से बाबरी मस्जिद का नाम हटा दिया गया है और इसकी जगह 3 गुंबद वाला ढांचा लिखा गया है।इसी तरह अयोध्या विवाद वाले अध्याय में भी छंटनी की गई है और कई जानकारी हटा दी गई है। पहले ये अध्याय 4 पेज का था, जिसे अब 2 पेज का कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, किताब से गुजरात के सोमनाथ से अयोध्या तक भाजपा की रथयात्रा, कारसेवकों की भूमिका, 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद सांप्रदायिक हिंसा, भाजपा शासित राज्यों में राष्ट्रपति शासन, और भाजपा द्वारा अयोध्या की घटनाओं पर खेद व्यक्त करना जैसे अध्यायों को हटा दिया गया है।इससे पहले खबर थी कि किताबों से विध्वंस के कम से कम 3 संदर्भ और राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े अध्याय में बदलाव किए गए हैं।

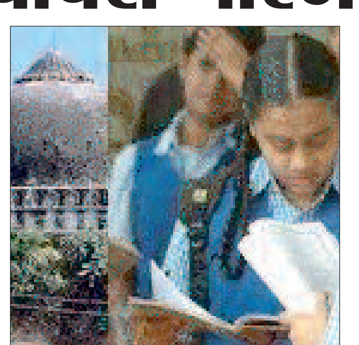

अयोध्या विवाद सामग्री भी घटाई

रिपोर्ट के मुताबिक, पुरानी किताब में बताया गया था कि 16वीं शताब्दी में मुगल बादशाह बाबर के सेनापति मीर बाकी ने बाबरी मस्जिद बनवाई थी।अब इसमें बदलाव कर लिखा गया है कि 1528 में श्रीराम के जन्मस्थान पर 3 गुंबद वाला ढांचा बना दिया गया है। हालांकि, इस ढांचे में कई हिंदू चिह्न बने हुए थे।नई किताब में लिखा गया है कि ढांचे की आंतरिक और बाहरी दीवारों पर मूर्तियां बनी हुई थीं।

नई किताब में फैजाबाद जिला कोर्ट के आदेश से जुड़े बदलाव भी किए गए हैं।इसमें लिखा है, 1986 में 3 गुंबद वाली संरचना के संबंध में स्थिति ने एक महत्वपूर्ण मोड़ लिया, जब फैजाबाद जिला कोर्ट ने संरचना को खोलने का फैसला सुनाया, जिससे लोगों को पूजा करने की अनुमति मिल गई। यह विवाद दशकों पुराना था, क्योंकि माना जाता था कि 3 गुंबद वाली संरचना श्रीराम के जन्मस्थान पर मंदिर के विध्वंस के बाद बनाई गई थी। नई किताब में अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर नई सामग्री जोड़ी गई है।

पटना में गंगा दशहरा के मौके पर बड़ा हादसा, श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी, 6 लोग लापता

पटना,बिहार की राजधानी पटना में गंगा दशहरा के मौके पर एक बड़ा हादसा हो गया. दरअसल, पटना के बाढ़ क्षेत्र में गंगा दशहरा के मौके पर गंगा स्नान के जा रहे श्रद्धालुओं की नाव पलट गई. नाव के पलटते ही वहां चीख पुकार मच गई. जानकारी के मुताबिक, ये हादसा बाढ़ क्षेत्र में उमानाध घाट के पास हुआ. जहां श्रद्धालुओं से भरी नाव अचानक से गंगा में पटल गई. बताया जा रहा है कि जब नाव गंगा में पलटी तब उसमें 17 लोग सवार थे. नाव पलटते ही 11 लोग तो तैरकर बाहर निकल आए, लेकिन 6 लोग लापता हो गए. तैरना न आने की वजह से वह पानी से बाहर नहीं आ पाए. सभी लापता लोगों की गोताखोर खोज में लगे हैं लेकिन अभी तक उनकी कोई पता नहीं चला है. कई अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं. इसके साथ ही एसडीआरएफ की टीम भी बचाव अभियान में लगी हुई है. जानकारी के मुताबिक, उमानाथ घाट पर गंगा दशहरा के दिन जो नाव पलटी, उसमें एक ही परिवार के 17 लोग सवार थे.

बकरीद को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क, नोएडा में धारा 144 लागू

नईदिल्ली,बकरीद के त्योहार को लेकर देशभर में तैयारियां चल रही हैं. इस बीच बाजारों में भीड़ बढ़ गई है. इसी के साथ कुर्बानी के लिए पशु मंडियों में भी बकरों की जमकर खरीददारी हो रही है. बकरीद को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सतर्क हो गया है. बता दें कि बकरीद को ईद–उल–अजहा के नाम से भी जाना जाता है. जो मुस्लिम धर्म के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है.

बकरीद के त्योहार को देखते हुए देशभर में सुरक्षा व्यवस्थान बढ़ा दी गई है. इसके साथ ही प्रशासन ने जानवरों की कुर्बानी के लिए भी नियम बनाए हैं. साथ ही चिन्हित जगहों पर ही कुर्बानी करने की इजाजत दी गई है. बकरीद को देखते हुए पुलिस संवेदनशील इलाकों में गश्त कर रही है.

बता दें कि बकरीद के चलते उत्तर प्रदेश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है. राजधानी लखनऊ समेत राज्य के सभी प्रमुख शहरों में पुलिस को तैनात कर दिया गया है. लखनऊमें भारी पुलिस बल के साथ अधिकारी गश्त कर रहे हैं इसके साथ ही शहर के संवेदनशील इलाकों पर भी नजर बनाए हुए हैं. इस दौरान पुलिस टीम को घंटाघर इलाके में गश्त करते हुए देखा गया. पुराने लखनऊ के संवेदनशील इलाकों में पुलिस की टीमों ने हालात का जायजा लिया. बकरीद के मौके पर पुलिस किसी भी सूरत में माहौल को खराब होना नहीं देना चाहती.बकरीद के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर में धारा 144 लागू कर दी गई है. बकरीद और ज्येष्ठ गंगा दशहरा के चलते गौतमबुद्धनगर में रविवार से बुधवार तक अपराध प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी. पुलिस के आदेश के मुताबिक, बिना विशेष अनुमित के सार्वजनिक स्थानों पर सार्वजनिक प्रार्थना, पूजा, जुलूस और अन्य धार्मिक आयोजनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा. अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) हिरदेश कठेरिया के मुताबिक, असामाजिक तत्वों से लोक व्यवस्था को संभावित खतरा को देखते हुए इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है कि ऐसे लोग शांति भंग कर सकते हैं.

राहुल गांधी को दो दिनों के अंदर लेना होगा बड़ा फैसला, दुविधा में कांग्रेस

नईदिल्ली,लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस बार दो सीट से चुनाव में खड़े थे. उन्होंने रायबरेली सीट पर बड़े अंतर से जीत हासिल की है. मगर अब वे दुविधा में हैं क्योंकि इसमें से एक सीट को उन्हें छोडऩा पड़ेगा. इस फैसले के लिए अब मात्र दो दिन का समय शेष रह गया है. दोनों ही सीट राहुल गांधी के लिए खास हैं. रायबरेली कांग्रेस का गढ़ रही है. यहां से गांधी परिवार के कई दिग्गज चुनाव लड़ चुके हैं. वहीं वायनाड ऐसी सीट है, जिसने 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी की लाज बचाई थी. 2019 के लोकसभा चुनाव में भी वे दो सीटों पर खड़े हुए थे, इसमें वह अमेठी सीट से हार गए थे. इस बार के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को वायनाड और अमेठी दोनों ही सीट पर जीत मिली है. ऐसा कहा जा रहा है कि प्रियंका गांधी की वायनाड से लोकसभा उम्मीदवारी करीब–करीब तय मानी जा रही है. ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि राहुल दोनों सीटों से अपना परिवारिक रिश्ता बता चुके हैं. हालांकि वे रायबरेली से ज्यादा वोटों से जीते हैं. ऐसे में वह प्रियंका के जरिए कम वोटों से जीती वायनाड पर पारिवारिक रिश्ता बने रहने की कोशिश कर सकते हैं. इस बार लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने जनता से अपने बेटे को सौंपने जैसा बयान दिया था. ऐसा आकलन लगाया जा रहा है कि राहुल गांधी रायबरेली की सीट अपने पास रखने वाले हैं. सोनिया गांधी ने प्रचार के दौरान कहा था कि ये सीट परिवार की 121 साल की परंपरा में आती है. ऐसे में राहुल गांधी रायबरेली से सांसद बने रह सकते हैं. नियम कहते हैं कि जब कोई उम्मीदवार चुनाव में दो सीट से चुनाव लड़ता है और अगर उसे दोनों सीटों पर जीत मिलती है तो उसे परिणाम आने के 14 दिन के अंदर एक सीट छोडऩी पड़ेगी. ऐसे में कहा जा रहा है कि राहुल गांधी दो दिनों के अंदर वायनाड सीट को छोडऩे की घोषणा कर सकते हैं.लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को वायनाड के साथ रायबरेली सीट पर बड़ी जीत हासिल हुई. मगर वायनाड की तुलना में राहुल गांधी को रायबरेली में अधिक मत मिले. यहां पर वे बड़े अंतर से जीते. रायबरेली में राहुल गांधी को 3,90,030 वोट मिले, वहीं वायनाड में 364422 वोटों से जीत मिली है. राहुल गांधी के लिए रायबरेली सीट इसलिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि इसी के पास अमेठी सीट पर उन्हें 2019 के लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था. अब रायबरेली सीट से सोनिया गांधी सांसद रह चुकी हैं. 2004 से 2019 तक वे लगातार यहां से जीतती रही हैं. 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सोनिया गांधी राजस्थान से राज्यसभा सांसद बन गईं. इसके बाद सोनिया गांधी ने राहुल गांधी को अपनी जगह उतारने का निर्णय लिया था.

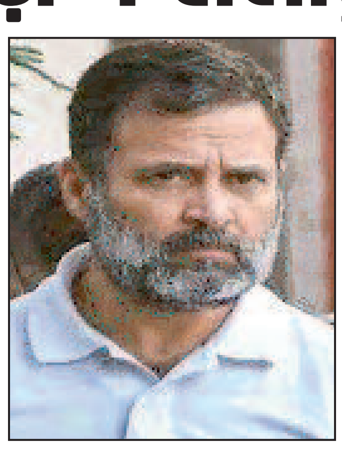

रुद्रप्रयाग हादसे के मृतकों की संख्या 15 पहुंची

ऋषिकेश। बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर रुद्रप्रयाग में रैंतोली में टेंपो ट्रैवलर हादसे में मृतकों की संख्या अब 15 हो गई है। एम्स में भर्ती सात घायलों में से तीन ने दम तोड़ दिया है, जबकि अन्य चार घायलों की हालत भी नाजुक बनी हुई है। संस्थान के एक्सपर्ट की टीम ट्रामा इमरजेंसी में घायलों का इलाज करने में जुटी है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने का दावा भी किया जा रहा है।जानकारी के मुताबिक शनिवार दोपहर में रुद्रप्रयाग से गंभीर हालत में सात घायलों को एयर लिफ्ट कर एम्स में भर्ती कराया गया था। इनमें दो घायलों 23 वर्षीय धर्मेंद्र, निवासी सीओडी लाइन, दिल्ली कैंट और 27 वर्षीय शौनिक तनेजा निवासी हुडा पार्क, सेक्टर–14 सोनीपत, हरियाणा को एम्स के चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था। एसपी देहात लोकजीत सिंह के मुताबिक घायलों में शामिल 18 वर्षीय अभिषेक मीणा, निवासी निशात अपार्टमेंट, द्वारिका विभाग, साउथ वेस्ट दिल्ली ने भी दम तोड़ दिया है।

भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जारी रहेगी सख्त कार्रवाईः धामी

देहरादून। पौड़ी में अशासकीय स्कूलों में शिक्षक, मिनिस्टीरियल कर्मचारियों की भर्ती गड़बड़ी की एसआईटी जांच पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पारदर्शिता के संकल्प पर सरकार इसी सख्ती के साथ आगे बढ़ती रहेगी। भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि किसी भी तरह की नियुक्ति प्रक्रिया में भ्रष्टाचार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पौड़ी अशासकीय स्कूलों की भर्ती की गड़बड़ी की जांच कराई जा रही है। एसआईटी जांच में कुछ भी गड़बड़ी मिलने पर बेहद सख्त कार्रवाई की जाएगी। गड़बड़ी, भ्रष्टाचार के किसी भी मामले को हल्के में नहीं लिया जाएगा। बेहद सख्ती के साथ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कहा कि सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने को सख्त से सख्त कदम उठाए हैं। इसी सख्ती के साथ ही इन कानूनों को धरातल पर भी उतारा जा रहा है। युवाओं के लिए पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया सुनिश्चित की गई है। नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। पारदर्शी तरीके से नियुक्ति प्रक्रिया को लागू कराया जा रहा है। अब नकल माफिया युवाओं के अधिकारों पर डाका नहीं डाल पा रहे हैं। ऐसे नकल माफियाओं को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है।

उत्तर भारत को अभी नहीं मिलेगी गर्मी से राहत, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नईदिल्ली,उत्तर भारत इनदिनों प्रचंड गर्मी से झुलस रहा है. फिलहाल इससे राहत मिलने की उम्मीद नहीं है. इसी बीच मौसम विभाग ने उत्तर भारत के कई राज्यों में भीषण लू का अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग की मानें तो आने वाले कम से कम तीन से चार दिनों तक उत्तर भारत का ज्यादातर इलाका इसी तरह से गर्मी से जूझता रहेगा. आईएमडी के मुताबिक, यूपी, बिहार, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब समेत देश के 13 राज्यों में भीषण लू का प्रकोप देखने को मिलेगा. इससे पहले भी उत्तर भारत का ज्यादातर हिस्सा गर्मी से तपता रहा. इस दौरान तापमान 44 से 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि चार दिन बार मौसम में बदलाव आने की संभावना है. इसके बाद कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है. गर्मी का आलम ये है कि दिन ही नहीं बल्कि रात में भी लोगों को इससे राहत नहीं मिल रही है. पूरा रात गर्म हवाएं चलने से लोग परेशान हैं. भारत मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो अगले चार दिनों तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के निचले मैदानी इलाकों और जम्मू–कश्मीर के जम्मू संभाग में अगले चार दिन तक लू चलने संभावना है. इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, दिल्ली–एनसीआर, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तरी राजस्थान और उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी भीषण गर्मी पड़ेगी. इस दौरान सभी राज्यों में तेज गर्म हवाएं चलने की संभावना है. वहीं बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्से में झुलसा देने वाली गर्मी का कहर झेलना पड़ेगा.

एनडीए सांसद का मोबाइल ईवीएम से जुड़ा, 48 वोटों से जीते, अब एफआईआर हुआ दर्ज

मुंबई,। महाराष्ट्र में एक बार फिर से सियासी हलचलें तेज हो चुकी है. मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से शिवसेना गुट के नवनिर्वाचित सांसद रविंद्र वायकर के साले मंगेश पांडिलकर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. यह एफआईआर इसलिए दर्ज किया गया है क्योंकि गोरेगांव चुनाव सेंटर के अंदर मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी थी. बावजूद इसके रविंद्र वायकर पर फोन यूज करने के आरोप लगे हैं. साथ ही पांडिलकर ने चुनाव आयोग के एक कर्मचारी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है, जिसने मंगेश पांडिलकर को चुनाव सेंटर के अंदर मोबाइल दिया था. स्थानीय पुलिस ने जांच में यह पाया कि मंगेश उस मोबाइल का इस्तेमाल कर रहा था, जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था. जांच में यह भी पाया कि 4 जून को जब वोटों की गिनती की जा रही थी. उस दौरान ईवीएम मशीन को अनलॉक करने के लिए भी ओटीपी उसी मोबाइल पर आया. जिसके बाद वनराई पुलिस ने आरोपी मंगेश पांडिलकर और चुनाव आयोग के संचालक दिनेश गुरव को नोटिस भेजा गया है. यह नोटिस सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत भेजा गया. पुलिस ने मोबाइल जब्त करके इसे फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेज दिया है.

जल मंत्री आतिशी ने पुलिस से की पाइपलाइनों की सुरक्षा की मांग

दिल्ली में पेयजल किल्लत

नईदिल्ली, देश की राजधानी दिल्ली में पानी किल्लत को लेकर सियासत तेज हो गई है। इस बीच दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय राजधानी में पाइपलाइन काटने की साजिश हो रही है। आतिशी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने मुख्य वाटर पाइपलाइन को सुरक्षा देने का आग्रह किया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि दिल्ली भीषण गर्मी और जल संकट से जूझ रही है। यमुना में पानी की कमी के कारण जल उत्पादन में लगभग 70 मिलियन गैलन प्रतिदिन की गिरावट आई है। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में पानी की कमी हो रही है। ऐसे में पानी की एक–एक बूंद कीमती हो जाती है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड की पेट्रोलिंग टीम को शनिवार को साउथ दिल्ली राइजिंग मेन पाइपलाइन में गढ़ी मेंडू ट्रांसफार्मर के पास बड़ी लीकेज मिली। जांच पर पता चला कि 375 एमएम के 5 बोल्ट और 12 इंच का एक बोल्ट किसी ने काटा था। ऐसा लग रहा है कि दिल्ली में पानी की परेशानी बढ़ाने के लिए षड्यंत्र हो रहा है। इस पाइपलाइन रिपेयर करने में दिल्ली जल बोर्ड को छह घंटे लगे। शाम चार बजे से रात 10 बजे तक रिपेयर चला। इस दौरान साउथ दिल्ली की पानी की आपूर्ति बंद करनी पड़ी। इसका नतीजा है कि तकरीबन 25 प्रतिशत कम पानी आज साउथ दिल्ली पहुंचा।

संपादकीय

दुर्घटनाएं एक दुखद त्रासदी

उत्तराखंड की चार धाम यात्रा के दौरान अक्सर ऐसी खबरें सामने आती है जिनमें वाहनों के दुर्घटना के कारण कई लोगों की जान चली जाती है। हालांकि राज्य सरकार द्वारा दुर्घटनाएं रोकने के व्यापक प्रबंध किए गए है लेकिन पूर्ण रूप से यात्रा को दुर्घटना शून्य बनाने के प्रयास सफल होते नजर नहीं आ रहा है। अभी हाल ही में रुद्रपुर जिले में एक टेंपो ट्रैवलर के नदी में गिरने से 15 लोगों की जान चली गई जबकि अन्य छुटपुट हादसे चार धाम यात्रा मार्ग पर होते ही रहते हैं। राज्य सरकार ने यात्रा से पूर्व चार धाम यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले जनपदों को खास निर्देश दिए थे कि ऐसे स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां दुर्घटनाएं संभावित रहती हैं। साथ ही दुर्घटना के बाद तत्काल राहत कार्यो को लेकर भी त्वरित एक्शन लेने के लिए निर्देश दिए गए थे लेकिन रुद्रप्रयाग की घटना में राहत कार्यों में थोड़ा समय लगा हालांकि बावजूद इसके राहत दलों एवं स्थानीय लोगों ने अधिक से अधिक लोगों को रेस्क्यू किया लेकिन फिर भी अब तक 15 लोगों की जान इस दुर्घटना में जा चुकी है। उत्तराखंड की चार धाम यात्रा हमेशा से ही चुनौती भरी यात्रा रही है खास तौर से ऐसे वाहन चालकों के लिए जो दूसरे राज्यों से श्रद्धालुओं को लेकर आते हैं। मैदान एवं पहाड़ की सड़क परिवहन व्यवस्था में काफी अंतर रहता है और पहाड़ों में अनुभवी चालक का होना बेहद आवश्यक है। सरकार द्वारा श्रद्धालुओं को यह नसीहत भी दी जाती है कि वह पहाड़ी मार्गों पर सफर करने के दौरान अनुभवी चालकों को अवसर प्रदान करें ताकि संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके। तमाम सावधानियां के बावजूद चार धाम मार्ग पर हर वर्ष दुर्घटनाएं देखने को मिलती हैं जो की काफी दुखद है और इससे कई परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं। आने वाले समय में मानसून शुरू हो जाएगा इसके बाद पहाड़ों में बड़े पैमाने पर भूस्खलन एवं बादल फटने जैसी घटनाएं होती हैं। ऐसे समय में भी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति देखने को मिलता है जरूरी है कि श्रद्धालु आगामी मानसून के समय यात्रा पर आने के अपने कार्यक्रम को टालें। राज्य सरकार को भी यात्रा मार्ग पर राहत दलों को सतर्क रखना चाहिए और इनकी संख्या भी बढ़ानी चाहिए ताकि किसी भी दुर्घटना के समय तत्काल व्यवस्थाएं उपलब्ध हो सके एवं लोगों को जान की हानि से बचाया जा सके। यह भी जरूरी है कि परिवहन विभाग जगह–जगह पर चेक पोस्ट लगाए जाएं एवं मोबाइल टीमें चार धाम मार्ग पर नियमित रूप से दौड़ाई जाए जो वाहनों की गति एवं ओवरलोडिंग पर नियंत्रण कसे।

तीसरे कार्यकाल में शासन की निरंतरता बनी रहे

अजीत द्विवेदी

नरेंद्र मोदी ने बतौर प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल में शासन की निरंतरता जारी रखी है। केंद्र सरकार के सभी अहम मंत्रालयों में पुराने मंत्रियों की वापसी हुई है। राजनाथ सिंह प्रतिरक्षा संभालते रहेंगे तो देश की आंतरिक सुरक्षा का जिम्मा अमित शाह के पास ही रहेगा। अगर वे अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करते हैं तो यह एक रिकॉर्ड होगा क्योंकि देश में आज तक कोई भी नेता 10 साल तक गृह मंत्री नहीं रहा है। अर्थ नीति और विदेश नीति का जिम्मा क्रमशः निर्मला सीतारमण और एस जयशंकर के पास ही है और सड़क परिवहन व राजमार्ग का जिम्मा नितिन गडकरी के पास है। शिक्षा के क्षेत्र में जो कुछ हो रहा है उसे चलाए रखने की जिम्मेदारी फिर से धर्मेंद्र प्रधान के ऊपर डाली गई है। कुल मिला कर देश की आर्थिक, सामरिक, सामाजिक नीतियों में कम से कम मंत्रियों के जरिए निरंतरता का संदेश दिया गया है।पहले ऐसा लग रहा था कि लोकसभा के आंकड़े बदलने और नई राजनीतिक स्थितियां पैदा होने से सरकारी की संरचना में बदलाव आएगा। प्रधानमंत्री मोदी के लिए निरंतरता बनाए रखने में मुश्किल होगी। लेकिन उन्होंने नई स्थितियों में भी शासन का पुराना ढांचा बनाए रखा है। अपने अपने विभागों में पुराने मंत्रियों की वापसी से यह संदेश गया है कि भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में नीतियों की जिस निरंतरता का वादा किया था उसमें कोई बदलाव नहीं आने वाला है।ध्यान रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार कहते रहे हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले 10 साल में जो काम किया है वह ह्यट्रेलरह्न है पूरी फिल्म बाकी है। चुनाव प्रचार में उन्होंने एक रूपक का इस्तेमाल किया और कहा कि उनका अब तक का कामकाज ह्यस्टार्टर है, मेनकोर्स अभी बाकी है। अगर त्रिशंकु लोकसभा की वजह से सरकार की संरचना में बदलाव होता तो निश्चित रूप से उसका असर सरकार के कामकाज पर होता। उसकी नीतिगत और प्रशासनिक निरंतरता प्रभावित होती। कह सकते हैं कि नई राजनीतिक स्थितियां उभरने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बाधा पार कर ली है।

परंतु सवाल है कि क्या यह स्थिति स्थायी रहने वाली है या गठबंधन की मजबूरियां सरकार के कामकाज पर असर डालेंगी? यह सवाल इसलिए है क्योंकि सहयोगी पार्टियों को उनकी संसदीय ताकत के हिसाब से कम मंत्री पद देने और अपेक्षाकृत कम महत्व के मंत्रालय देने का विरोध हुआ है। यह विरोध बहुत उग्र नहीं है फिर भी कई पार्टियों ने आपत्ति की है और दबी जुबान में ही सही विरोध प्रकट किया है। तभी उनके समर्थन और उनकी चुप्पी को सरकार फॉर गारंटेड नहीं ले सकती है। भले वे सरकार की स्थिरता के लिए खतरा पैदा नहीं करें लेकिन नीतिगत मसले पर सरकार को कठघरे में खड़ा कर सकते हैं और अगर विपक्षी पार्टियां किसी मसले पर मजबूत विरोध दर्ज कराती हैं तो सहयोगी भी इस मौके का इस्तेमाल सरकार पर दबाव बनाने के लिए कर सकते हैं। यह स्थिति स्थायी रहने वाली है। विपक्षी पार्टियां भी सत्तारूढ़ गठबंधन की इस फॉल्टलाइन का इस्तेमाल करने का प्रयास करेंगी।

यह सही है कि सरकार को संख्या के लिहाज से खतरा नहीं है लेकिन वह सहयोगी पार्टियों को एक सीमा से ज्यादा पीछे धकेलने की जोखिम नहीं ले सकती है। अगर सहयोगी पार्टियां जोर देकर कोई बात कहती हैं तो प्रधानमंत्री को उस पर ध्यान देना होगा। जैसे कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने अपने मंत्रालय का कामकाज संभालते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता का कानून सरकार के एजेंडे का हिस्सा है वैसे ही जनता दल यू के महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि एजेंडा है लेकिन इस पर सबकी सहमति से ही आगे बढना है। सो, इस तरह के नीतिगत मसलों पर भाजपा की सहयोगी पार्टियों की बारीक नजर रहेगी।

वैसे भारत की राजनीति में यह कोई नई बात नहीं है। 1989 से लेकर 2014 तक यानी ढाई दशक देश में गठबंधन की सरकार चली और उन सरकारों में जो भी प्रधानमंत्री बना उसने अपने कामकाज की शैली राजनीतिक स्थितियों के अनुरूप ही रखी। प्रधानमंत्री देश हित, क्षेत्रीय आकांक्षा और राजनीतिक मजबूरियों के बीच बारीक संतुलन साध कर चलते रहे। यह अलग बात है कि महज 145 सांसद होने के बावजूद तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जुलाई 2008 में अमेरिका के साथ परमाणु संधि जैसे विवादित नीतिगत मसले को मंजूरी दिलाई।लेकिन उस दौर के प्रधानमंत्रियों और नरेंद्र मोदी में एक फर्क यह है कि मोदी ने कभी गठबंधन की सरकार नहीं चलाई है, जबकि वीपी सिंह से लेकर चंद्रशेखर, पीवी नरसिंह राव, एचडी देवगौड़ा, आईके गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह गठबंधन से ही प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने अपनी पार्टियों का पूर्ण बहुमत नहीं देखा। सो, वे पहले दिन से गठबंधन की मजबूरियों के साथ चले, जबकि मोदी को पहली बार गठबंधन की मजबूरियों का सामना करना पड़ रहा है। सो, वे किस तरह से परिस्थितियों के साथ सामंजस्य बैठाते हैं यह देखने वाली बात होगी। यह सही है कि पहले की गठबंधन सरकारों के मुकाबले उनकी सरकार में गठबंधन का नेतृत्व कर ही उनकी पार्टी के पास कुल 82 फीसदी सीटें हैं। इस लिहाज से वे पहले गठबंधन में बने प्रधानमंत्रियों के मुकाबले बेहतर स्थिति में हैं फिर भी दबाव तो उन पर भी आएंगे और मजबूरियां उनके सामने भी आएंगी।

अभी यह पता नहीं है कि कम मंत्री पद देने और कम महत्व के मंत्रालय देने के बावजूद उन्होंने सहयोगी पार्टियों को कैसे समझाया कि वे सरकार का हिस्सा बनें। आने वाले दिनों में इसकी परतें खुलेंगी। सरकार के दोनों बड़े सहयोगी यानी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू केंद्र में अपने सांसदों को मंत्री बनवाने या उन्हें बड़ा मंत्रालय दिलाने से ज्यादा राज्य में अपनी सरकार की स्थिरता और कामकाज से मैसेज देने की कोशिश करने वाले हैं। इसलिए दोनों की प्राथमिकता राज्य की राजनीति है। दोनों विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं और अगर विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलता है तो विशेष आर्थिक पैकेज पर उनका फोकस रहेगा।

क्या प्रधानमंत्री मोदी ने इसका कोई वादा दोनों मुख्यमंत्रियों से किया है? बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं लेकिन जनता दल यू के नेता समय से पहले चुनाव चाहते हैं। वे बिहार विधानसभा में बड़ी पार्टी बनने की इच्छा रखते हैं। तो क्या केंद्र में कम मंत्री पद देने की भरपाई विधानसभा चुनाव में सीटों की साझेदारी में की जाएगी? क्या भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखते हुए उन्हें ज्यादा सीटें देकर चुनाव में जाएगी? इसी तरह एक समझौता राज्यसभा की सीटों पर भी होता है। अभी 10 राज्यसभा सांसदों के लोकसभा चुनाव जीत जाने से 10 सीटें खाली हो रही हैं। क्या उसमें सहयोगी पार्टियों को हिस्सेदारी मिलेगी? इसके अलावा राज्यपाल, बोर्ड और निगम, संसदीय नियुक्तियों आदि में भी सहयोगी पार्टियों को ज्यादा हिस्सेदारी मिल सकती है। सरकार वहां सौदेबाजी कर सकती है ताकि प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में शासन की निरंतरता बनी रहे और अपने घोषित एजेंडे से ज्यादा समझौता नहीं करना पड़े।

> **पहले ऐसा लग रहा था कि लोकसभा के आंकड़े बदलने और नई राजनीतिक स्थितियां पैदा होने से सरकार की संरचना में बदलाव आएगा। प्रधानमंत्री मोदी के लिए निरंतरता बनाए रखने में मुश्किल होगी। लेकिन उन्होंने नई स्थितियों में भी शासन का पुराना ढांचा बनाए रखा है। अपने अपने विभागों में पुराने मंत्रियों की वापसी से यह संदेश गया है कि भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में नीतियों की जिस निरंतरता का वादा किया था उसमें कोई बदलाव नहीं आने वाला है। ध्यान रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार कहते रहे हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले 10 साल में जो काम किया है वह ट्रेलर है पूरी फिल्म बाकी है। चुनाव प्रचार में उन्होंने एक रूपक का इस्तेमाल किया और कहा कि उनका अब तक का कामकाज ह्यस्टार्टर है, मेनकोर्स अभी बाकी है। अगर त्रिशंकु लोकसभा की वजह से सरकार की संरचना में बदलाव होता तो निश्चित रूप से उसका असर सरकार के कामकाज पर होता। उसकी नीतिगत और प्रशासनिक निरंतरता प्रभावित होती। कह सकते हैं कि नई राजनीतिक स्थितियां उभरने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बाधा पार कर ली है।**

साय सरकार के छः माहः छत्तीसगढ़ में उम्मीदों की नई रोशनी फैलाने में सफल

एल.डी.मानिकपुरी

लोकतंत्र में जहां जनता अपने नेतृत्व को वायदे पूरे करने के लिए पांच साल का जनादेश प्रदान करती है। ऐसे में किसी प्रदेश के मुखिया से महज छह माह के समय में इन वायदों को पूरा करने की आशा आमतौर पर बेमानी होती है। लेकिन मन में जज्बा, कुछ करने की लालसा, संवेदनशील प्रयास और समन्वित रणनीति के तहत कार्य किया जाए तो छह माह में भी इतिहास गढ़ा जा सकता है। महज़ छह माह में किसी भी सरकार के कामकाज का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता इसके बावजूद विष्णु देव साय सरकार जिस तेजी के साथ काम को आगे बढ़ा रही है, निश्चित ही यह एक मिसाल है।मुख्यमंत्री साय ने विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए अधिकांश वायदों को पूरा करने के लिए जरा भी वक्त जाया नहीं किया। इसे कुछ इस तरह से समझा जा सकता है। शपथ ग्रहण 13 दिसम्बर 2023 के बाद 15 अप्रैल 2024 यानी 4 माह 02 दिन। 16 मार्च 2024 से 6 जून 2024 यानी 2 माह 21 दिन लोकसभा निर्वाचन की वजह से आदर्श आचार संहिता पूरे प्रदेश में प्रभावशील रही। ऐसे में विष्णु देव सरकार को मुख्यमंत्री बने छह माह जरूर हो चुके हैं लेकिन निर्णय, योजनाओं का क्रियान्वयन, भावी रणनीति को मूर्तरूप देने के लिए उन्हें 4 माह का ही समय मिला है।मुख्यमंत्री साय ने इन सब के बावजूद अपने सटीक निर्णयों से प्रदेश में एक अलग छाप छोडने में सफल हुए हैं। जब हम आधी आबादी की बात करते हैं तब उनकी स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वावलम्बन और सशक्तीकरण के लिए ठोस व दूरगामी रणनीति बनानी पड़ती है। प्रदेश के 70 लाख विवाहित महिलाओं के जीवन में एक नई उम्मीद की किरण महतारी वन्दन योजना से मिली है। ईब से इंद्रावती तक यानी प्रदेश के चारों तरफ विवाहित महिलाओं को हर माह एक हजार रूपए दिए जा रहे हैं और इस तरह चार किश्ते दी जा चुकी हैं। राज्य सरकार द्वारा विवाहित माताओं–बहनों के खाते में राशि देने के पीछे आर्थिक सशक्तीकरण करना, उनके आर्थिक हालात को बेहतर करना प्रमुख उद्देश्य है।

दावे और वादे के पक्के मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के लाखों किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदने की गारंटी को पूरा करते हुए 32 हजार करोड़ रुपए के समर्थन मूल्य की राशि का भुगतान किसानों के खाते में किया गया, वहीं 24 लाख 75 हजार किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की राशि 13 हजार 320 करोड़ रुपए अन्तरित की गई। खरीफ सीजन में रिकॉर्ड 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। इसके अलावा किसानों को दो साल के धान के बकाया बोनस राशि 3 हजार 716 करोड़ रुपए देने जैसे साहसिक निर्णय लिए है।मुख्यमंत्री साय संवेदनशील सरकार और किसानों के सरकार के रूप में महज छह माह में ही पहचान बनाने में सफल हुए। आदिवासियों की पीड़ा, संघर्ष, सम्मान और जरूरत को उनसे बेहतर कौन समझ पाएगा! सरकार बनाते ही तेन्दूपत्ता प्रति मानक बोरा 5 हजार 500 रूपए की गई, जिससे 12 लाख 50 हजार से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को लाभ मिल रहा है। कौन नहीं चाहता कि घर के बुजुर्ग तीर्थ यात्रा करें लेकिन आर्थिक अभाव, सुरक्षा और मार्गदर्शन आड़े आते हैं। ऐसे में विष्णु सरकार की मानवीय पहल यानी रामलला मंदिर दर्शन योजना से मन की मुराद पूरी हो रही है।कोई न सोए भूखे पेट, इस तरह के विचार को अपनी कार्य योजना में शामिल करें तो वह निश्चित ही मानवीय संवेदना ही है प्रदेश के 68 लाख़ से अधिक गरीब परिवारों को पांच वर्षों तक मुफ्त अनाज देने जैसे निर्णय साबित कर रहे हैं कि सरकार गरीबों के कल्याण को प्राथमिकता दे रही है। खुद का घर, पक्का मकान यह सब सुनने में एक गरीब परिवार के लिए दिन में देखने वाले स्वप्न की तरह होता है।

रक्तदान के लिए जागरूकता

देवेंद्रराज सुथार

हर वर्ष 14 जून को रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए ह्यविश्व रक्तदान दिवसह्न मनाया जाता है। रक्त मानव शरीर का एक महत्वपूर्ण घटक है। यह शरीर के विभिन्न भागों में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों को पहुंचाता है, अपशिष्ट उत्पादों को हटाता है और प्रतिरक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दान किया गया रक्त तीन लोगों की जान बचाने में मदद कर सकता है, क्योंकि इसे अलग–अलग घटकों– लाल कोशिकाओं, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स में विभाजित किया जा सकता है। नियमित रक्तदान स्थिर रक्त आपूर्ति बनाये रखने में सहायक होता है, जो आपातकालीन स्थितियों और नियमित चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों और अस्पतालों को रक्त की निरंतर आपूर्ति की आवश्यकता होती है, ताकि वे रोगियों की जरूरतों को पूरा कर सकें। इसलिए स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए नियमित स्वैच्छिक रक्तदान अपरिहार्य है। उल्लेखनीय है कि रक्त नहीं मिलने के कारण भारत में प्रतिवर्ष 15 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मापदंड के अनुसार, किसी भी देश में, किसी भी स्थिति में उसकी जनसंख्या का कम से कम एक प्रतिशत रक्त आरक्षित होना ही चाहिए। उक्त मानक के अनुसार, हमारे देश में कम से कम एक करोड़, 30 लाख यूनिट रक्त का हर समय आरक्षित भंडार होना चाहिए। परंतु पिछले वर्षों के आंकड़ों के अनुसार हमारे पास प्रतिवर्ष रक्त की औसतन 90 लाख यूनिट ही उपलब्ध हो पाती है।

इसका कारण है, भारत में रक्तदान के प्रति लोगों में उदासीनता या झिझक। यह उदासीनता जागरूकता की कमी, गलत धारणाओं और सांस्कृतिक दृष्टिकोण सहित कई कारकों के संयोजन से उपजी है। कुछ लोगों का मानना है कि रक्तदान करने से उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो सकती है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान सुविधाएं या तो दुर्लभ हैं या खराब हैं। पहुंच की यह कमी रक्तदाताओं को हतोत्साहित करती है, क्योंकि उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। सो, देश में रक्तदान के महत्व के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और प्रचलित मिथकों को दूर करने के लिए ठोस प्रयास की आवश्यकता है।

उर्वशी रौतेला और रवि किशन की फिल्म जेएनयू को मिली नई रिलीज तारीख, पोस्टर भी जारी

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी जेएनयू को लेकर बेहद चर्चा में हैं। लंबे समय बाद उर्वशी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उर्वशी के साथ फिल्म में गोरखपुर से सांसद और मल्टीटैलेंटेड एक्टर रवि किशन नजर आएंगे। मूवी में छोटे पर्दे की फेमस एक्ट्रेस रश्मि देसाई भी इम्पोर्टेंट रोल प्ले करते हुए नजर आएंगी। डायरेक्टर्स ने जेएनयू की नई रिलीज डेट को अनाउंस कर दिया है।

डेट आने से फैंस और मूवी लवर्स के बीच एक्साइटमेंट लेवल बढ़ गया है। जेएनयू अब 21 जून, 2024 को थियेटर्स में धमाका करने को बिल्कुल तैयार है। इससे पहले यह फिल्म 5 अप्रैल, 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में डेट में चेंज कर दिया गया है। फिल्म का नया पोस्टर भी रिलीज किया गया है, जो ऑडियंस के बीच बेहद पॉपुलर हो रहा है।जेएनयू को विनय शर्मा ने डायरेक्ट किया है, जबकि प्रतिमा दत्ता ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म में उर्वशी रौतेला, रवि किशन और रश्मि देसाई के अलावा पीयूष मिश्रा, विजय राज, अतुल पांडे और सोनाली सेगल जैसे मशहूर स्टार्स भी एक्टिंग करते हुए नजर आएंगे।

फिल्म ह्यजेएनयूह्न की कहानी और थीम को लेकर अभी ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इसे लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता है। उर्वशी रौतेला की वापसी और इस स्टार–स्टडेड कास्ट के साथ, फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें हैं।

फिल्म ह्यजेएनयूह्न का नया पोस्टर जारी होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। उर्वशी रौतेला के फैंस उनके नए अवतार को देखने के लिए लंबे समय से वेट कर रहे हैं। रवि किशन और रश्मि देसाई की मौजूदगी ने फिल्म के लिए लोगों के इंट्रेस्ट को बढ़ा दिया है। न्यू डेट यानी 21 जून, 2024 से ह्यजेएनयूह्नथियेटर्स में धमाल मचाने के लिए तैयार है। अब यह देखना बाकी है की उर्वशी और रवि किशन फैंस के एक्सपेक्टेशन पर कितना खरा उतर पाते हैं।

पाकिस्तानी खिलाड़ी ने टीम में जगह बनाने के लिए पी शराब

नई दिल्ली। हर क्रिकेटर का सपना होता है कि वह इंटरनेशनल क्रिकेट खेले। इसके लिए खिलाड़ी कड़ी मेहनत करता है।

मैदान पर पसीना बहाता है। लेकिन पाकिस्तान में जन्में एक खिलाड़ी ने टीम में जगह बनाने के लिए शराब तक का सहारा लिया।

ये खिलाड़ी हैं अजीम रफीक। रफीक वही क्रिकेटर हैं जिन्होंने इंग्लैंड की काउंटी यॉर्कशर में नस्लवाद को लेकर खुलासा किया था और पूरे क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया था।

रफीक का परिवार क्रिकेट के कारण ही पाकिस्तान से इंग्लैंड आया था। वह यॉर्कशर काउंटी क्लब के लिए खेले। रफीक इंग्लैंड की अंडर–19 टीम के कप्तान भी रहे जिसमें जो रूट, बेन स्टोक्स, जोस बटलर जैसे खिलाड़ी थे। दो साल बाद वह यॉर्कशर के पहले एशियन कप्तान भी बने। लेकिन बाद में उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

स्मृति मंधाना के बाद आशा शोभना का कमाल, भारतीय महिला टीम ने जीता पहला वनडे

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका महिला टीम इन दिनों भारत के दौरे पर है। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। रविवार को खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका महिला टीम को 143 रन से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 265 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने शतक लगाया। जवाब में मेहमान टीम 37.4 ओवर में 122 रन पर सिमट गई। डेब्यू करने वाली आशा शोभना ने 4 विकेट चटकाए।

स्मृति मंधाना ने बनाए 117 रन

भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और शेफाली वर्मा सस्ते में पवेलियन लौट गईं। इसके बाद हेमलता ने 12 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 10 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स ने 28 गेंदों पर 17 और ऋचा घोष ने 5 गेंदों पर 3 रन बनाए।

दीप्ति शर्मा अर्धशतक से चूक गईं और उन्होंने 48 गेंदों पर 37 रन की पारी खेली। 47वें ओवर में स्मृति मंधाना कैच आउट हुईं। उन्होंने 127 गेंदों पर 117 रन ठोके। राधा यादव ने 7 गेंदों पर 6 रन बनाए। आशा शोभना ने 8 और पूजा वस्त्राकर 31 रन बनाकर नाबाद रहे।

फिल्म सरफिरा से अक्षय कुमार की पहली झलक आई सामने, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

सुपरस्टार अक्षय कुमार साल में एक से ज्यादा मूवीज करने के लिए जाने जाते हैं और इसी ट्रेंड को फॉलो करते हुए वह अपनी नई फिल्म सरफिरा लेकर आ रहे हैं। एक्टर ने फिल्म का पहला पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया।

पोस्टर में एक्टर को रफ लुक में देखा जा सकता है। उन्होंने सनग्लासेस पहने हुए हैं और चेहरे पर हल्की दाढ़ी है और वह आसमान की ओर देख रहे हैं। उनके सनग्लासेस में ऊपर एयरक्राफ्ट की झलक दिखाई दे रही है। हल्की छोटी दाढ़ी में वो काफी हैंडसम लग रहे हैं।

पोस्टर पर टैगलाइन लिखा हुआ है, सपने इतने बड़े देखो कि लोग तुम्हें पागल कहें।

एक्टर ने कैप्शन में लिखा, एक ऐसे आदमी की कहानी... जिसने बड़े सपने देखने की हिम्मत की! मेरे लिए यह एक कहानी है, एक किरदार है, एक फिल्म है, जीवन भर का एक मौका है! सरफिरा का ट्रेलर 18 जून को रिलीज होगा। फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फिल्म में अक्षय और राधिका मदान की जोड़ी देखने को मिलेगी। इसके अलावा, परेश रावल और सीमा बिस्वास जैसे सितारे अहम किरदारों मे नजर आएंगे।फिल्म का डायरेक्शन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगरा ने किया है। यह साउथ सुपरस्टार सूर्या की तमिल फिल्म सोराराई पोटरु की रीमेक है। फिल्म की कहानी सुधा और शालिनी उषा देवी ने लिखी है और डायलॉग पूजा तोलानी के हैं।

केप ऑफ़ गुड फिल्म्स की अरुणा भाटिया, साउथ के सुपरस्टार सूर्या और ज्योतिका (2डी एंटरटेनमेंट) और विक्रम मल्होत्रा (अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट) द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही ने तोड़ा दम

शरण शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की खूबसूरत जोड़ी नजर आ रही हैं, जिसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है।इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म की कहानी भी लोगों को पंसद आ रही है। इसके बावजूद यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।मिस्टर एंड मिसेज माही कछुए की चाल से आगे बढ़ रही है। आइए जानते हैं फिल्म ने 14वें दिन कितने लाख रुपये कमाए।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मिस्टर एंड मिसेज माही ने अपनी रिलीज के 14वें दिन यानी गुरुवार को 70 लाख रुपये का कारोबार किया,

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया के साथ हो गया बड़ा धोखा! टॉप करने का नहीं मिला फायदा

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सुपर–8 की लगभग सभी टीमों का ऐलान हो गया है। अब सभी की नजरें इन टीमों पर हैं। ऑस्ट्रेलिया ऐसी टीम है जिसने अपने सभी मैच खेले और जीतते हुए सुपर–8 में जगह बनाई।

ऑस्ट्रेलिया ने अपने ग्रुप–बी में टॉप किया लेकिन फिर भी उसे अगले राउंड में इस ग्रुप से दूसरे नंबर की टीम के तौर पर जगह मिली है। कई लोगों को इससे हैरानी हुई होगी क्योंकि आमतौर पर टॉप पर रहने वाली टीम को अगले दौर में नंबर–1 के तौर पर ही जगह मिलती है। ऑस्ट्रेलिया के साथ हालांकि ऐसा नहीं हुआ, जबकि भारत और बाकी टीमों के साथ वही हुआ जो होता आया है। इसके पीछे आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप से पहले जो काम किया था वो है। इस टूर्नामेंट से पहले आईसीसी ने सभी टीमों की वरीयता दी थी। हर ग्रुप में दो टीमों को वरीयता दी गई थी। ग्रुप–ए में ए1 और ए2। इसी तरह बाकी के ग्रुप में। यानी देखा जाए तो सभी टीमों को पहले से ही पता था कि अगर वह सुपर–8 में जाती हैं तो उनका सामना किस टीम से होगा। ये वरीयता टॉप–8 टीमों को दी गई थीं। ग्रुप–ए में भारत को ए1 और पाकिस्तान को ए2। ग्रुप बी में इंग्लैंड को बी1 और ऑस्ट्रेलिया को बी2। न्यूजीलैंड को सी1 और वेस्टइंडीज को सी2। साउथ अफ्रीका को डी1 और श्रीलंका को डी2। इसी कारण ऑस्ट्रेलिया को सुपर–8 में अपने ग्रुप की दूरी टीम के तौर पर जगह मिली है।

एक नजर

अदवाणी के जंगल में लगी भीषण आग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः रविवार को भी जंगलों की आग से लाखों की वन संपदा खाक हो गई। रविवार को अदवाणी के जंगलों में आग लग गई। जिससे चारो ओर धुआं होने से यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

घंडियाल के सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी ने बताया कि रविवार को अदवाणी के जंगलों में आग लगने से लाखो की वन संपदा खाक हो गई। आग लगने से वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। सिविल एवं सोयम वन प्रभाग पौड़ी के रेंजर मनोज रावत ने बताया कि आग लगने की सूचना पर मौके पर टीम को भेजा गया है। आग को काबू करने के प्रयास किए जा रहे है।

हरकत में आया सिस्टम, की कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर ओवरलोड टेम्पो ट्रैवलर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद हरकत में आए परिवहन विभाग ने रविवार को 7 ओवरलोडिंग वाहन के चालान किए। सभी चालकों के डीएल निरस्त कर दिए गए है। इस टेम्पो ट्रैवलर में 26 यात्री सवार थे। हादसे के प्रथमद्दष्टा वजह ओवरलोडिंग होने की वजह से परिवहन महकमे की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने शुरू हो गए थे।

गंगा दशहरे पर भक्तों ने लिया देवता का आशीर्वाद

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक के अटल आदर्श ग्राम पांगर में गंगा दशहरा के मौके पर रविवार को घंडियाल देवता मंदिर में महापूजा व भंडारे का आयोजन किया। इस मौके पर गांव के प्रवासियों ने मंदिर पहुंचकर देवता का आशीष लेते हुए सुख–संमृद्धि की कामना की। वहीं अपने पश्वा पर अवतरित होकर घंडियाल देवता ने भक्तों को आशीर्वाद भी दिया। रविवार को पांगर गांव स्थित घंटाकर्ण मंसापूर्ण मंदिर में आयोजित दो दिवसीय महापूजा का यज्ञ व विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। महापूजा में गांव की ध्याणियों व प्रवासी लोगों ने पहुंचकर कुलदेवता का आशीष लिया। मंदिर समिति अध्यक्ष सेनि सूबेदार गबर सिंह सजवाण ने बताया कि, प्रति वर्ष मंदिर में पूजा व भंडारे का आयोजन किया जाता है, जबकि तीन वर्ष में एक बार भव्य महापूजा, यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया जाता है। वहीं घनसाली के प्राचीन शक्तिपीठ राजराजेश्वरी मंदिर चूलागढ़ बासर में गंगा दशहरा के मौके पर भव्य जात पूजन और भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर ट्रस्ट समिति महासचिव भाष्कर नौटियाल और उपाध्यक्ष सुंदर लाल शास्त्री ने बताया कि, मां राजराजेश्वरी टिहरी के प्रसिद्ध सिद्धपीठों में से एक है, यहां पर प्रतिवर्ष गंगा दशहरा के अवसर पर हजारों की संख्या में लोगों माता की भव्य जात यात्रा में शामिल होते हैं। बताया कि इस वर्ष अव्यवस्था के कारण गंगा दशहरा का अधिक प्रचार प्रसार नहीं किया गया फिर भी तीन हजार के लगभग श्रद्धालु यहां पर पहुंचे हैं। मौके पर मंदिर समिति अध्यक्ष नीलम भट्ट, डॉ. विजय कुमार नौटियाल, रावल देवेश्वर प्रसाद नौटियाल, जसराम नौटियाल, पंकज भट्ट, कुंवर सिंह, विष्णु प्रसाद, जीतराम, हिरामणी, शिवप्रसाद आदि मौजूद रहे।

ज्ञानसू–गंगलोगी सड़क के डामरीकरण की मांग

नई टिहरी। पूर्व प्रधान किशोर सिंह नेगी ने सीएम को पत्र प्रेषित कर ज्ञानसू–गंगलोगी–डोबरा मोटर मार्ग के डामरीकरण कर सुधारीकरण की मांग की है। गुरुवार को डीएम दीक्षित के माध्यम से सीएम धामी को नेगी ने ज्ञापन प्रेषित किया। जिसमें सीएम को अवगत कराया गया कि ज्ञानसू–गंगलोगी–डोबरा मोटर का निर्माण वर्ष 2012–13 में किया गया था। इस मार्ग से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. प्रेम सिंह नेगी का गांव सगवान गांव और डोबरा, खैंडी से गंगालोगी कोटेश्वर बांध परियोजना तक जुड़ गया है। लेकिन मार्ग वर्तमान में काफी खराब स्थिति में है। जिसके चलते सुधारीकरण की जरूरत है।

नाप खेतों में भड़की आग बुझाई

नई टिहरी। बढ़ती गर्मी के बीच वन क्षेत्रों में आग का लगना जारी है। दोपहर में नई टिहरी मोटर मार्ग के बादशाहीथौल के समीप नाप खेतों में आग भड़क उठी। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने वन विभाग को दी। जिस पर वन विभाग की टीम मौके पर आग बुझाने ने पहुंची। आग को किसी तरह से काबू करने के बाद टीम ने आस–पास के जंगलों में कंट्रोल बर्निंग के तहत फायर लाइन काटने का काम भी किया। आग को लेकर वन बीट अधिकारी लक्ष्मण सिंह सजवान और आजाद सिंह पंवार ने बताया कि नाप खेतों में सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर काबू कर लिया गया है।

कोटद्वार से आमसौड़ की दूरी दस किलोमीटर, साढ़े तीन घंटे तक लगा रहा जाम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार-आमसौड़ के मध्य बदहाल स्थिति में पड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग जाम का कारण बन रहा है। रविवार को कोटद्वार से दस किलोमीटर दूर आमसौड़ तक पहुंचने के लिए वाहन चालकों को साढ़े तीन घंटे के जाम में फंसना पड़ा। दरअसल, राष्ट्रीय राजमार्ग पर वर्षाकाल के दौरान जगह-जगह पुश्ते ढह गए थे। जिसके कारण वाहनों को निकलने के लिए पर्याप्त मार्ग नहीं मिल पा रहा है। जबकि, मैदान में भीषण गर्मी होने के बाद अधिकांश लोग पहाड़ की ओर अपना रूख कर रहे हैऔ

भीषण गर्मी में निजात के लिए वीकेंट पर पहाड़ चढ़ने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा होने लगा है। शहर की भीषण गर्मी से निजात के लिए लोग अपनी निजी वाहनों से मैदान से पहाड़ जा रहे हैं। सैकड़ों की संख्या में पर्यटक शनिवार को लैंसडौन व आसपास के क्षेत्र में पहुंचे थे। पर्यटकों के पहाड़ चढ़ने का यह दौर रविवार को भी जारी रहा। यही कारण था कि कोटद्वार–आमसौड़ के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण जाम की स्थिति बनी हुई थी। दरअसल, वर्षाकाल के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के कई स्थानों पर पुश्ते ढह गए थे। ऐसे में इन स्थानों पर वाहनों के निकलने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। जिससे जाम की स्थिति बनी रहती है। कोटद्वार निवासी अधिवक्ता आशुतोष कंडवाल ने बताया कि रविवार को आमसौड़ से कोटद्वार की दूरी तय करने में उन्हें करीब दो घंटे से अधिक का समय लग गया। बताया कि राष्ट्रीय रजामार्ग पर जाम लगने का कारण पुश्तों की समय से मरम्मत नहीं होना है। कुछ सप्ताह बाद वर्षाकाल प्रारंभ होने वाला है और अब तक इन पुश्तों के मरम्मत की सुध नहीं ली गई है।

आमसौड़ के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगा वाहनों का लंबा जाम

जिला चिकित्सालय कोटेश्वर में भर्ती 5 घायलों को परिजन अपने साथ ले गए

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग के रैतोली में शनिवार को हुए टैम्पो ट्रैवलर के नदी में गिरने से वाहन में सवार 7 घायलों को जिला चिकित्सालय कोटेश्वर में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। रविवार को इन 7 घायलों में से 5 को उनके परिजन अपने साथ ले गए हैं। इन सभी का ऑपरेशन और अन्य बड़ा इलाज किया जाना है। जिला चिकित्सालय में अब दो ही घायल भर्ती हैं। ऋषिकेश–बदरीनाथ पर हुई वाहन दुर्घटना में 15 यात्रियों की मौत हो गई थी। हादसे में 7 घायलों को बीते दिन जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था जबकि 7 को एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश भेजा गया था। जिनमे तीन यात्रियों की मौत हो गई थी। जिला चिकित्सालय में बीते दिन से ही घायलों का लगातार उपचार किया जा रहा था। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनोज बडोनी ने बताया कि जिला अस्पताल में भर्ती नोयडा निवासी शुभम सिंह, यूपी निवासी नमिता शर्मा, नोयडा निवासी वंदना, यूपी निवासी महिमा त्रिपाठी और हल्द्वानी निवासी शशांक को उनके परिजन आकर अपने साथ ले गए हैं।

मां सुरकंडा मंदिर में धूमधाम से मनाया गया गंगा दशहरा

नई टिहरी। सिद्धपीठ मां सुरकंडा मंदिर में गंगा दशहरा पर्व पर भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने देवी मां के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस मौके पर मंदिर समिति की ओर से आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने भोजन भी ग्रहण किया। रविवार को गंगा दशहरा पर मां सुरकंडा मंदिर में विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर में सुबह से ही लोगों का आना शुरू हो गया था, जो दिन भर जारी रहा। तड़के सबसे पहले गंगाजल से मां का स्नान कराया गया। उसके बाद विशेष पूजा संपन्न हुई। बाद में मंदिर के नीचे गंगा धारा की साफ सफाई कर वहां पूजा की गई। फिर मंदिर के दो सौ मीटर नीचे उत्तरी ढाल पर इंद्र गुफा में इंद्र देवता की पूजा कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की गई। दिन में ढोल वादकों द्वारा ढोल बजाकर मां की स्तुति की। फिर सुरकंडा देवी अपने पश्वा पर अवतरित हुई और सभी श्रद्धालुओं को उनकी सुख समृद्धि का आशीर्वाद दिया। लोगों ने मां के जयकारे लगाए। उसके बाद श्रद्धालुओं को भंडारे का भोज परोसा गया। मंदिर समिति के प्रबंधक उत्तम सिंह जड़धारी ने बताया कि तड़के सबसे पहले मां की विशेष पूजा अर्चना की गई। मंदिर प्रांगण में विभिन्न स्थानों से आई देव डोलियों के पहुंचने पर मंदिर समिति द्वारा डोलियों को बाहर किया गया। समिति ने विरोध जताया कि मंदिर में देव डोली का प्रवेश निषेध रहेगा। बताया कि इस बार भारी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में आए हैं। उन्होंने शांत चित मन से माँ के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष शक्ति प्रसाद लेखवार, सचिव कलम सिंह जड़धारी, सुमेर सिंह जड़धारी, विनोद सिंह जड़धारी, सोहन लाल लेखवार, पप्पू राम लेखवार, जीत सिंह नेगी, धनवीर जड़धारी, विजयपाल थापा, कुशाल सिंह जड़धारी आदि मौजूद रहे।

पहाड़ की संस्कृति व सभ्यता को बचाने के लिए एकजुटता का संकल्प

• सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ तीन दिवसीय चाई महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पहाड़ में संस्कृति संरक्षण का अनूठा आयोजन चाई ग्रामोत्सव 2024 आज देव पूजन, विचार गोष्ठी और भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हो गया। इस अवसर पर समृद्ध उत्तराखंड राज्य के लिए पर्वतीय क्षेत्र में स्थित गांव एवं ग्रामीण संस्कृति को बचाने की जोरदार वकालत की गई ।

त्रिदिवसीय चाई ग्रामोत्सव के अंतिम दिन आज आयोजित समापन समारोह का मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता दिगमोहन नेगी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया ।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गांव में निवास करती है। गांव के समग्र विकास से ही राष्ट्र का विकास होगा । उन्होंने कहा कि गांव प्राथमिक उत्पाद के केंद्र हैं। इन उत्पादों को बाजार मिलना चाहिए । इससे रोजगार बढ़ेगा और पलायन रुकेगा। गांव के नौनिहालों को गांव में ही रोजगार देने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। नेगी ने कहा कि चाई ग्रामोत्सव गांव को बचाने का एक अनूठा प्रयास है । चाई से प्रेरणा लेकर आज गढ़वाल व कुमाऊँ मंडल के विभिन्न गांवों में ग्रामोत्सव कार्यक्रम आयोजित होने लगे हैं ।इस जीवंत उत्सव को आयोजित करने के लिए उन्होंने सभी ग्राम वासियों की मुक्त कंठ से सराहना की। समारोह की अध्यक्षता करते हुए सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर जनरल सतीश बुडाकोटी ने कहा कि चाई ग्रामोत्सव केवल गांव बचाने का ही नहीं ,बल्कि राज्य, राष्ट्र और संस्कृति को बचाने का भी एक अनूठा अभियान है । उन्होंने कहा कि धरातल पर रचनात्मक कार्य किए जाने बहुत आवश्यक है। उन्होंने राज्य के विकास के लिए गांव के विकास को अपरिहार्य बताया और कहा कि पहाड़ से जुड़े सभी लोगों को अपने–अपने गांव में कुछ न कुछ सेवा कार्य अवश्य करते रहने चाहिए। श्री नवदुर्गा ग्रामोत्थान समिति के अध्यक्ष श्री जगमोहन बुडाकोटी ने बताया कि वर्ष 2010 में गंगा दशहरा के पर्व पर प्रतिवर्ष ग्राम उत्सव कार्यक्रम आयोजित करने का जो संकल्प ग्राम समाज ने लिया था ,उसे आज 15 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इसके प्रभाव से उत्तराखंड के 200 से भी अधिक गांव में आज ग्राम उत्सव कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। जिस से गांव का विकास सुनिश्चित करने में मदद मिली है । सच्चिदानंद बुड़ाकोटी ने कहा कि ग्राम उत्सव के आयोजन में युवा वर्ग के साथ–साथ बहन बेटियों का भी अतुलनीय योगदान है । इस अवसर पर ग्राम सभा प्रधान श्रीमती रीना देवी, सतेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान (कोटा खाल), दीपक सिंह ,पत्रकार मनीष कुकसाल के साथ ही शंभू प्रसाद बुड़ाकोटी, ललन बुड़ाकोटी ,संगीत बुडाकोटी, शशांक ,पंकज ,विकास ,संतोष,दीपक, शिशिर, मनोज बुडाकोटी, संजय बुडाकोटी ,सुमन, मोहित बुडाकोटी, तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भी उपस्थित थे । समारोह का संचालन डॉ. पद्मेश बुड़ाकोटी ने किया । इससे पूर्व देर रात तक चली सांस्कृतिक संध्या में संस्कृति विभाग उत्तराखंड की ह्यशैलजाह्न (पौड़ी) टीम ने बेहतरीन प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम में समा बांध दिया। इस दौरान टीम ने थड़िया ,चौफुला ,बाजूबंद, जौनसारी गीत प्रस्तुत किये। हास्य कलाकार संदीप छिलवट ने अपनी चुटीली प्रस्तुतियों से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। त्रिदिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन आज देव पूजन और हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ग्राम वासियों ने गांव और क्षेत्र के विकास के लिए मां भगवती से कामना करते हुए यज्ञ में अपनी आहुतियां डाली ।आज भंडारे एवं प्रसाद वितरण की साथ समारोह का समापन हुआ। अंतिम दिन चाई में विविध लोक कलाओं का प्रदर्शन भी किया गया । महिलाओं ने जहां एक और गढ़वाल के ग्रामीण परिवेश, परंपरा व संस्कृति की झांकी प्रस्तुत की, वही लड़कियों एवं बाल कलाकारों ने अपनी भव्य व आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते सदस्य व कलाकार

भीषण गर्मी में सूखे कंठ, प्राकृतिक स्रोतों के चक्कर काट रहे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जिले के कोट ब्लाक के मसाणगांव में प्रवासी ग्रामीण पेयजल किल्लत से परेशान हैं। वहीं, कल्जीखाल ब्लाक के कफोलस्यूं पट्टी में 16 से अधिक गांवों में ग्रामीण अनियमित पेयजल आपूर्ति से दो-चार हो रहे हैं। लोगों ने आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है। कोट ब्लाक के मसाणगांव के प्रवासी ग्रामीण प्रदीप नौटियाल ने बताया कि गांव में 70 परिवार रहते हैं। जिनमें 25 परिवार प्रवासी ग्रामीणों के हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों और प्रवासी ग्रामीणों ने मिलकर गांव में भगवती मंदिर का निर्माण कराया है। जहां बीते 5 जून से प्राण प्रतिष्ठा व पूजन हो रहा है। इस दौरान ग्रामीणों को पानी की किल्लत से जूझने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि बीते तीन दिनों से गांव में पानी की आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। जिसके चलते कई प्रवासी परिवार पौड़ी जाकर होटलों में रुके हैं। बताया कि गांव में पानी की समस्या कनेक्शनों में तकनीकी खामी, पोखरी टेंक से अनियोजित आपूर्ति सहित अन्य कारणों से प्रभावित है। वहीं, कफोलस्यूं पट्टी के सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत मोहन बिष्ट, आनंद लाल, राकेश लाल, राज कोली व आनंद कुमार ने बताया कि कफोलस्यूं पट्टी के सिलेथ, गहड़, नानसू, अणेथ, धारकोट, सरस्याणा, दुराल बूंगा, बिष्ट बूंगा, पयासू, ध्वीली, सहित 16 से अधिक गांवों 3 से 4 दिन छोड़कर पानी की आपूर्ति हो रही है। कहा जल जीवन मिशन में गांवों में कनेक्शन लगे हैं, लेकिन उनमें पानी की एक बूंद नहीं टपक रही है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी पौड़ी से शिकायत करते हुए बताया कि जल संस्थान के अधिकारियों को लिखित व मौखिक शिकायत दी, लेकिन कोई ग्रामीणों की सुध नहीं ले रहा है।

पानी के इंतजार में नल नीचे लगाए गए बर्तन

बद्रीनाथ धाम के साथ ही चमोली में भव्य स्वप से मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

चमोली। चमोली जनपद में आगामी 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य रूप से मनाने को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जनपद में मुख्य कार्यक्रम जहां गोपेश्वर में आयोजित किया जाएगा। वहीं बदरीनाथ धाम सहित जनपद की विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. सुनील कुमार रतूड़ी ने बताया कि जनपद में आदर्श आचार संहित के प्रतिबंधों के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जबकि आयुष मंत्रालय की ओर से जारी आदेशों के क्रम में पुलिस मैदान गोपेश्वर में बीती 15 जून से योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन प्रातः 6 से 7 बजे के मध्य किया जा रहा है। जिसमें स्थानीय लोगों के साथ ही पुलिस के अधिकारी व जवानों को योगाभ्यास करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर मुख्य कार्यक्रम पुलिस मैदान गोपेश्वर में प्रस्तावित किया गया है। जबकि मौसम खराब होने की स्थिति में कार्यक्रम पीजी कॉलेज की व्यायामशाला में आयोजित किया जाएगा। बताया कि कार्यक्रम के आयोजन के लिये डा. हुकुम सिंह पंखोली को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इसके साथ ही 21 जून को बद्रीनाथ मंदिर प्रांगण व जनपद के सभी आरोग्य आयुष्मान मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस योग स्वयं और समाज के लिए थीम के साथ आयोजित किया जा रहा है।

सात महीने दिवारा के बाद गर्भ गृह में विराजमान हुई मां चंडिका

रुद्रप्रयाग। तल्लानागपुर क्षेत्र की मां नारी देवी चंडिका का नौ दिवसीय महायज्ञ रविवार को पूर्णाहुति एवं भंडारे के साथ समापन हो गया है। क्षेत्र की खुशहाली एवं सुख शांति लके लिए महायज्ञ में करीब 11 हजार आहुतियां डाली गईं। अंतिम दिन बड़ी संख्या में भक्तों ने महायज्ञ में शामिल होकर पुण्य अर्जित किया।

इसके बाद मां चंडिका की भोग मूर्तियों को मूल मंदिर में विराजमान किया गया। बीते 7 जून से 34 वर्षों बाद सिद्धपीठ नारी देवी मंदिर में चल रहे नौ दिवसीय महायज्ञ के अंतिम दिन ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रों के साथ गणेश पूजा, पंच पूजा एवं मां चंडिका का विशेष पूजन किया गया। इसके बाद ब्राह्मणों ने महायज्ञ में प्रतिदिन की भांति नवें दिन भी लगभग एक घंटे जौ तिल व घी की आहुतियां डाली। अंत में पूर्णाहुति के साथ महायज्ञ में आहुतियां डाली गईं। इस दौरान देवी चंडिका ने नृत्यकर भक्तों का अपना आशीर्वाद दिया। साथ ही कई नर रूप में कई देवी देवता भी अवतरित हुए। इस दौरान मां चंडिका के जयकारों से क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके बाद मां चंडिका की मूर्तियों को शुद्धिकरण के बाद मंदिर में स्थापित की गई। नोजुल्ला मंदिर समिति के संरक्षक सतेन्द्र पाल सिंह बर्त्वाल ने कहा कि महायज्ञ में प्रवासी एवं धियाणियां समेत कई भक्तजन अपनी मनोकामना एवं परिवार की सुख समृद्धि का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मंदिर समिति के सदस्य धीरज बर्त्वाल ने कहा कि 34 वर्ष बाद महायज्ञ का आयोजन हुआ है।

भगवान श्रीकृष्ण को भेंट किया चांदी का मुकुट और बांसुरी

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के ग्राम सभा पाब में रविवार को तीन दिवसीय पूजा–अर्चना के बाद श्री कृष्ण भगवान की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस मौके पर गांव की ध्याणियों ने भगवान श्री कृष्ण को चांदी का मुकुट और बांसुरी भेंट की। वहीं भद्राज देवता पालकी और भद्राज मंदिर कोटि के लिए चांदी का छत्र और थाल, देवीकुल में कुलदेवी मां भगवती और मां भद्रकाली को चांदी का छत्र भेंट किया। नैनबाग के पाब गांव में रविवार को आयोजित श्रीकृष्ण मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर ग्रामीणों ने सुख–समृद्धि की कामना की। दूर–दराज के गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने भगवान श्रीकृष्ण व भद्राज देव डोली दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

दो दिवसीय रात्रि जागरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने पूरी रात भजन–कीर्तन किया।

आंगनबाड़ी केंद्रों को बांटी सामग्री

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में बेहतर व्यवस्थाएं बनाने के लिए आंगनबाड़ी केंद्र संचालिकाओं को खेल सामग्री सहित अन्य सामान वितरित किया गया।

रविवार को मालगोदाम रोड स्थित लोकनिर्माण विभाग गेस्ट हाउस में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां विधानसभा अध्यक्ष ने केंद्रों की संचालिकाओं को आलमारी, बच्चों के खेल का सामान कुर्सी–टेबल, बुक सेल्फ सहित अन्य सामान दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में कई केंद्र किराए के कमरों में चल रह हैं। ऐसे में उनका प्रयास है कि केंद्रों के पास स्वयं का भवन हो। उन्होंने क्षेत्र में और अधिक केंद्र स्थापित करने की भी बात कही। इस मौके पर हेमंती रावत, वसुंधरा रावत, उम्रा, प्रीति रावत, प्रकीर्ण नेगी, पंकज भाटिया, हरी सिंह राजेश्वरी देवी, नीरु बाला खंतवाल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में आंगनबाड़ी केंद्र संचालिकाओं को सामान देती विस अध्यक्ष

एक सितंबर को गैरसैण में होगी मूल निवास स्वाभिमान महारैली

गैरसैण को स्थायी राजधानी बनाने के मुद्दे को भी किया शामिल
गैरसैण में हुई मूल निवास, भू–कानून समन्वय संघर्ष समिति की अहम बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। गैरसैंण :मूल निवास, भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति की गैरसैण में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि खटीमा-मसूरी गोलीकांड की बरसी एक सितंबर को गैरसैण में मूल निवास स्वाभिमान महारैली का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर मूल निवास, भू–कानून समन्वय संघर्ष समिति की गैरसैण कार्यकारिणी का भी गठन किया। इस मौके पर पचास हजार लोगों को गैरसैण में जुटाने का लक्ष्य रखा गया।

मूल निवास, भू–कानून समन्वय संघर्ष समिति की गैरसैण रामलीला मैदान में हुई महत्वपूर्ण बैठक में निर्णय लिया गया कि मूल निवास, भू–कानून के साथ ही स्थाई राजधानी गैरसैण के सवाल पर एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा।बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि मसूरी, खटीमा गोलीकांड की बरसी यानी एक सितंबर को गैरसैण में मूल निवास स्वाभिमान महारैली आयोजित की जाएगी। जिसमें प्रदेश भर से पचास हजार लोगों को जुटाया जाएगा। इस मौके पर समन्वय संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि गैरसैण में प्रस्तावित मूल निवास स्वाभिमान महारैली ऐतिहासिक रूप से होगी। इस महारैली में स्थायी राजधानी गैरसैंण के मुद्दे को शामिल किया गया है। स्थाई राजधानी गैरसैण संयुक्त संघर्ष समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह बिष्ट ने कहा कि अपनी जमीन बचाने और मूल निवासियों का अस्तित्व बचाने के लिए आंदोलन जरूरी है। गैरसैण हमारी आत्मा है। स्थायी राजधानी बनाने के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा। समन्वय संघर्ष समिति के सह संयोजक लुशुन टोडरिया और सचिव प्रांजल नौडियाल ने कहा कि गैरसैण पहाड़ की आत्मा है। यहां से मूल निवास स्वाभिमान आंदोलन को पूरे राज्य में धार दी जाएगी। आम जनता को इस आंदोलन से जोड़ने के लिए व्यापक रणनीति बनाई जा रही है। बैठक में स्थाई राजधानी गैरसैण संयुक्त संघर्ष समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह बिष्ट को मूल निवास, भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति का संरक्षक बनाया गया। वहीं चौखटिया निवासी आंदोलनकारी भुवन कठैत को समन्वय संघर्ष समिति कुमाऊं का सह संयोजक नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आन्दोलनकारी विपिन नेगी को संघर्ष समिति गढ़वाल मंडल का सह संयोजक बनाया गया। गैरसैंण के युवा आंदोलनकारी देवेंद्र बिष्ट बल्ली को समिति का कोर मेम्बर नामित किया गया। इस मौके पर समन्वय संघर्ष समिति गैरसैण की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें जसवंत सिंह बिष्ट को संयोजक, पंकज धीमान सह संयोजक, पंकज रावत सचिव, कपिल सहसचिव, दीपक बिष्ट सह सचिव, लक्ष्मण खत्री, भरत सिंह, वीएस बुटोला, मनीष नेगी को सदस्य, पूरन सिंह संरक्षक, मनवर सिंह पवार संरक्षक, सुरेंद्र सिंह पँवार संरक्षक, जगदीश सिंह नेगी संरक्षक, माथुर देव आर्य को संरक्षक नामित किया गया।

आयोजित बैठक में विचार रखते सदस्य

एक नजर

मोरी में वाहन के ऊपर पत्थर गिरने से शिक्षक चोटिल

उत्तरकाशी। मोरी के प्राथमिक विद्यालय तालूका के एक शिक्षक की गाड़ी पर पूर्ति नामक जगह पर अचानक ऊपर से पत्थर आ गिरा। पत्थर की चपेट में आने से गाड़ी का शीशा चकनाचूर हो गया। साथ ही शिक्षक भी चोटिल हो गया। विकासखण्ड के गोविंद वन्य जीव विहार राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय तालूका के शिक्षक हमेशा की तरह शनिवार को बच्चों की छुट्टी होने के बाद अपने गांव सिंदरी लौट रहा था। वापसी के समय जब शिक्षक अपने वाहन से तालूका से सांकरी आ रहा था तो पूर्ति नामक जगह पर चलते हुए ऊपर से एक बड़ा पत्थर आया। पत्थर शीशा तोड़ते हुए गाड़ी के अंदर आ गया। जिससे शिक्षक नत्थी सिंह पंवार चोटिल हो गया। पंवार ने बताया कि हमेशा की तरह शनिवार को तालूका से सांकरी लौट रहा था। पूर्ति में भूधंसाव जोन है, जहां उपर से पत्थर गिरते रहते है।

गंगा दशहरा पर पंजाब सिंध क्षेत्र में भव्य आरती

उत्तरकाशी। श्री गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर रविवार को उत्तरकाशी के पंजाब सिंध क्षेत्र घाट पर सुबह मां गंगा की विशेष पूजा–अर्चना और भव्य गंगा आरती की गई। श्री गंगा आरती समिति पंजाब सिंध घाट की ओर से आयोजित गंगा पूजन कार्यक्रम में सैकड़ों भक्त शामिल हुए। आचार्य सुरेंद्र प्रसाद भट्ट, आचार्य चंद्रशेखर भट्ट ने भगवती गंगा की स्तुति, गंगा लहरी पाठ व विशेष पूजा अर्चना की। दशहरे पर सुबह से ही भक्तों की गंगा स्नान को तट पर भारी भीड़ रही। इससे पूर्व गंगा दशहरा की पूर्व संध्या पर शहरी विकास मंत्री डॉ प्रेमचंद्र अग्रवाल भी यहां आरती कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष उमेश प्रसाद बहुगुणा, शंभू प्रसाद भट्ट, विजय प्रकाश भट्ट, हेमराज, पुष्पा, सरिता भट्ट, अर्चना रतूड़ी, कमला जोशी, संतोष बनूणी, गायत्री, शांति ठाकुरद्व रघुवीर, गंगाराम राणा, उर्मिला आदि सैकड़ों भक्त शामिल हुए।

दून योग पीठ ने हाथीबड़कला में चलाई योग कार्यशाला

देहरादून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दून योग पीठ देहरादून द्वारा चलाए जा रहे विशेष साप्ताहिक योग जनजागरण अभियान की कड़ी में रविवार को दून योगपीठ की हाथीबड़कला शाखा में योग आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेष सूर्य नमस्कार, योग और अन्य पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों द्वारा रोगों के निदान विषय पर परिचर्चा और रोगों का उपचार किया गया। अखिल भारतीय योग संस्थान के राष्ट्रीय प्रधान देशराज को दून योग पीठ देहरादून के संस्थापक योगाचार्य डॉ. बिपिन जोशी ने योग श्री सम्मान प्रदान किया गया। उनको उत्तराखंडी टोपी, अंगवस्त्र, पुष्प गुच्छ और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सूर्य नमस्कार का अभ्यास योग शिक्षक विनय कुमार, एक्यूप्रेशर चिकित्सा से उपचार योगाचार्य रमेश शर्मा और योग नृत्य योग शिक्षिका पार्वती शंकर ने कराया। नव्या उनियाल ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किए। योग शिक्षिका अंबिका उनियाल, अभिलाषा, सीमा उनियाल, तनुजा नेगी मौजूद रहे।

न्यू कैंट रोड पर पेड़ों को बचाने के लिए करेंगे पैदल मार्च

देहरादून। न्यू कैंट रोड चौड़ीकरण के लिए पेड़ों के कटान की तैयारी का विरोध तेज हो गया है। रविवार को हुई पर्यावरण प्रेमियों की बैठक में 23 जून को दिलाराम चौक से हाथीबड़कला तक पैदल मार्च करने का निर्णय लिया है। चेताया कि यदि पेड़ों का कटान किया गया तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि यह एक ऐसी पदयात्रा है, जिसमें हर किसी को भाग लेना चाहिए। पर्यावरण को बचाने के लिए एकजुट होने की जरूरत है। कहा कि पेड़ों की बड़े पैमाने पर और अंधाधुंध कटाई को तुरंत रोकना जरूरी है।

नगर निगम के वार्डों में स्ट्रीट लाइटें लगाने का काम ठप

देहरादून। नगर निगम के वार्डों में स्ट्रीट लाइटें लगाने का काम ठप है। अनुबंधित कंपनी ईईएसएल से जरूरत के मुताबिक तीन हजार नई लाइटें नहीं मिल पाने के कारण लाइटें नहीं लग रही। इसके अलावा वार्डों में तैनात निजी कंपनी के कर्मचारियों ने वेतन नहीं मिलने पर कई इलाकों में मरम्मत का काम ठप कर दिया है। लोग सीएम पोर्टल और निगम में फोन कर शिकायतें दर्ज कर रहे हैं। निवर्तमान पार्षदों ने प्रशासक और नगर आयुक्त से समस्या हल करने को ठोस कदम उठाने की मांग की है। कंपनी के प्रबंधक राहुल सिंह ने बताया कि देहरादून नगर निगम के लिए लखनऊऔर पटना से स्ट्रीट लाइटें मंगवाई गई हैं, जो जल्द निगम को उपलब्ध हो जाएंगी।

जल उत्सव में जल संरक्षण की पहल की

नई टिहरी। रविवार को चम्बा की ग्राम पंचायत नैल के जलेड़ी में जिला स्तरीय जल उत्सव कार्यक्रम टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय व डीएम मयूर दीक्षित की मौजूदगी में आयोजित किया गया।

आम लोगों ने जल संरक्षण के सक्रिय सहभागिता की अपील की गई। जल उत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि पहाड़ों, जंगलों और प्राकृतिक जलस्त्रोतों को कैसे बचाए रखा जा सके, इस पर सभी को विचार करने की जरूरत है। सरकार की मंशा और प्रयास तभी सफल हो पायेंगे, जब जल संरक्षण और संवर्धन को संकल्प लेकर सभी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम को लेकर मयूर दीक्षित ने कहा कि जल संरक्षण को लेकर इस तरह के कार्यक्रम प्रत्येक ग्राम पंचायत में आयोजित किए जाएंगे, ये कार्यक्रम केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रह जाए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल, सीडीओ अभिषेक त्रिपाठी, डीएफओ टिहरी वन प्रभाग पुनीत तोमर, पीडी डीआरडीए विवेक उपाध्याय, डीडीओ मोहम्मद असलम, प्रधान ललित सुयाल, विनोद उनियाल , हरि प्रसाद सकलानी विक्रम राणा, किशोर सजवाण , बिहारी लाल, विनोद सुयाल आदि मौजूद रहे।

प्रधान की मौजूदगी में खोली सड़क

चमोली। आगरचट्टी स्यूणी मल्ली मोटर मार्ग पर पेड़ गिर जाने से अवरुद्ध मोटर मार्ग को प्रधान की मौजूदगी में रविवार को खोल दिया गया। प्रधान स्यूणी मल्ली धीरज सिंह बिष्ट ने बताया कि गत दिन उनके गांव के लिंक मोटर मार्ग पर चीड़ का भारी भरकम पेड़ टूट कर आ गया था। इस संबंध में कार्यदायी संस्था ब्रिडकुल से संपर्क करने पर बताया गया कि पेड़ वन विभाग का है लेकिन वन विभाग ने उससे ब्रिडकुल की सीमा में बताया। जब न तो ब्रिडकुल ने सड़क खोली न ही वन विभाग ने अपना पेड़ हटाया तो ग्रामीणों ने कड़ी मेहनतकर अपनी गांव की सड़क खुद खोली ।

सीएम से आईएफएस अधिकारियों पर की कार्रवाई वापस लेने की मांग

देहरादून। आईएफएस एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड ने बिन्सर अग्निकांड मामले में भारतीय वन सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई पर पुर्नविचार को लेकर रविवार को देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की।

उन्होंने इसे लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा। एसोसिएशन के सचिव राजीव धीमान ने बताया कि 13 जून को बिन्सर अभ्यारण में हुए भीषण अग्नि दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसमें वन विभाग के चार कार्मिकों की मृत्यु हो गई और चार कार्मिक घायल हैं। घायलों का इलाज एम्स अस्पताल दिल्ली में चल रहा है। इस साल प्रदेश में माह नवंबर के बाद माह जून तक बारिश अनुमान से काफी कम हुई है। इससे वनों में सूखे की स्थिति पैदा हो गई है। जिसके कारण वनाग्नि की घटनाएं अप्रत्याशित रुप से बढ़ गई है। वन विभाग द्वारा राज्य सरकार के सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए वनाग्नि पर समय रहते नियंत्रण के प्रयास किए।

इस प्रयास में सभी स्तर के अधिकारी, कर्मचारी रात दिन जी जान से जुटे हुए हैं। वन महकमे को इस प्रयास के लिए हाईकोर्ट से भी सराहना मिली है। खासकर पड़ोसी राज्यों के मुकाबले वनाग्नि की रोकथाम बेहतर तरीके से हुई है। ऐसे में अफसरों पर की गई कार्रवाई पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

बिजली कटौती पर नाराजगी जताई

देहरादून। प्रेमनगर, आरकेडिया क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से नाराज स्थानीय लोगों व व्यापारियों ने ऊर्जा निगम के एमडी के घेराव की चेतावनी दी है। भाजपा नेत्री गीता बिष्ट ने रविवार को क्षेत्रवासियों के साथ बैठक कर घंटों हो रही बिजली कटौती पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बिजली कटौती से जहां आम आदमी परेशान हो रहा है, वहीं व्यापारियों का कारोबार भी चौपट हो रहा है। बिजली कटौती से किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना था कि प्रेमनगर छावनी परिषद गढ़ी कैंट व आरकेडिया वार्ड नंबर 92 व 93 नगर निगम शहरी में होने के बाद भी इन क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों के हिसाब से कटौती की जा रही है। बिजली कटौती का कोई समय निर्धारित नहीं है, कभी सुबह तो कभी दोपहर व कभी रात में भी घंटों बिजली कटौती की जा रही है।

ऑपरेशन स्माईल टीम ने बुजुर्ग यात्रियों को परिजनों से मिलाया

नई टिहरी। ऑपरेशन स्माइल टीम जिला टिहरी ने अपने साथी यात्रियों से बिछड़े बुजुर्ग समधी–समधन को उनके साथियों से मिलवाया। बुजुर्ग यात्रियों ने मित्र पुलिस का आभार जताते हुए उनके कार्य की प्रशंसा की।

ऑपरेशन स्माइल टीम टिहरी के हेड कांस्टेबल मनोज शर्मा जब गुमशुदाओ की तलाश में थे, इस दौरान पैंट डीप पार्किंग हरिद्वार में मध्य प्रदेश निवासी यात्री गुड्डी देवी तथा परीक्षित यादव उन्हें मिले। बुजुर्ग यात्रियों ने बताया कि वह अपने साथी यात्रियों से बिछड़ गए।

इसके बाद हेकां मनोज शर्मा उन्हें अपने साथ वाहन में बिठाकर सभी पार्किंग स्थलों पर ले गए। काफी देर बाद शंकराचार्य चौक के पास गुड्डी देवी व परीक्षित यादव को

उनके साथी हजरत यादव ने पहचान लिया। जिसके बाद मित्र पुलिस ने बुजुर्ग यात्रियों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। यात्रियों ने उत्तराखंड पुलिस व ऑपरेशन स्माइल टीम आभार जताया।

उद्यान घपले में कांग्रेस के निशाने पर आए मंत्री, देहरादून में प्रदर्शन कर मांगा इस्तीफा

देहरादून। उद्यान घपले को लेकर सीबीआई के खुलासे पर कांग्रेस ने कृषि एवं उद्यान मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई है। रविवार को देहरादून के एस्लेहॉल चौक पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और पुतला भी फूंका।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने प्रदर्शन की अगुवाई की। उन्होंने उद्यान घोटाले को लेकर सरकार पर निशाना साधा। साथ ही मंत्री के इस्तीफे की मांग की। कहा कि उद्यान घोटाले को लेकर अगर हाईकोर्ट सीबीआई जांच की सिफारिश नहीं करता तो मामला नहीं खुलता। उन्होंने तत्कालीन उद्यान निदेशाक के साथ ही विभागीय मंत्री की भूमिका की भी जांच की मांग उठाई। कहा कि जिन भी अधिकारियों, कर्मचारियों, नेताओं के करीबियों और रिश्तेदारों को घपला कर लाभ पहुंचाया गया, उनकी भी जांच होनी चाहिए। कहा कि जिस तरह से सीबीआई ने अब तक की जांच के आधार पर अधिकारियों और कर्मचारियों पर मुकदमा किया है, उससे साफ है कि यह काफी बड़ा घपला है और सीबीआई जांच से पहले तक इन्हें बचाने का काम किया जा रहा था। प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, निवर्तमान पार्षद अर्जुन सोनकर, मुकील अहमद , ब्लॉक अध्यक्ष फ़ारूक़ अहमद, ललित बद्री, अर्जुन पासी, मोहन थपाली, सूरत छेत्री, शहजाद अंसारी, रवि हसन, आलोक मेहता, सुभाष धीमान, रॉबिन त्यागी, शकील मंसूरी, पूनम कंडारी, नदीम अंसारी, संजय गौतम, अशोक कुमार, अमनदीप सिंह, सुभाष धीमान, संदीप जैन, यामीन खान, जहीर अहमद, संजय शर्मा, सलमान अली, रिपुदमन सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

ग्रामीणों का जल संस्थान के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। हरिपुरकलां के ग्रामीणों ने रविवार को जल संस्थान के खिलाफ हल्ला बोला है। वे पेयजल लाइन में गंदा पानी आने से नाराज हैं। उन्होंने जेई का घेराव कर समस्या के समाधान की मांग की है। हरिपुरकलां में पेयजल किल्लत और गंदे पेयजल की सप्लाई से आक्रोशित ग्रामीणों ने जेई अशोक कुमार का घेराव किया। ग्रामीणों ने उन्हें सप्लाई होने वाला गंदा पानी पीने को कहा। ग्रामीणों ने कहा कि बीते एक माह से हरिपुरकलां में ओवरहेड टैंक से लोगों के घरों में आने वाले पेयजल में कीड़े आ रहे हैं। लगातार शिकायत के बावजूद विभागीय अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जेई के जबाव से संतुष्ट नहीं होने पर ग्रामीणों ने जल संस्थान का पुतला फूंका और जल्द ही उन्हें गंदे पानी की समस्या से निजात दिलाने की मांग की।

नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में दूसरे दिन 3516 अभ्यर्थी बैठे

देहरादून। एएनएम और एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए 3516 अभ्यर्थियों ने दूसरे दिन रविवार को अलग–अलग केंद्रों पर उत्तराखंड राज्य नर्सिंग प्रवेश परीक्षा दी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. विजय जुयाल ने बताया कि रविवार को प्रथम पाली एएनएम पाठ्यक्रम के लिए 2348 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, इनमें से 2188 उपस्थित रहे। एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में 132 में से 117 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। बीएससी पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में 1287 में से 1211 ने परीक्षा दी। उत्तराखंड मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.एमएल भट्ट ने भी परीक्षा केंद्रों पर जाकर जायजा लिया। दो दिवसीय यह प्रवेश परीक्षा राज्य के 11 जिलों में 22 परीक्षा केंद्र पर आयोजित की गई। प्रो.जुयाल ने बताया कि जल्द ही परीक्षाफल घोषित कर काउंसलिंग शुरू की जाएगी।

भगवान को निष्काम भक्त हैं सबसे प्रियः आचार्य वत्सल

देहरादून। श्री श्याम सुन्दर मन्दिर पटेल नगर में वार्षिक उत्सव पर आयोजित श्री राम कथा के नौंवे एवम् अंतिम दिन रविवार को आचार्य विनीत डबराल वत्सल ने नौ तरह की भक्ति दास्य भक्ति को सर्वोत्म बताते हुए कहा, हनुमान ने श्री राम की दास्य भक्ति कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। उन्होंने सकाम और निष्काम दो तरह की भक्ति को समझाते हुए कहा भगवान को निष्काम भक्त सबसे प्रिय लगते है और ऐसे भक्त को भगवान स्वयं को ही सौंप देते है। वहीं रविवार को भंडारे के साथ श्री राम कथा ने विश्राम लिया। उन्होंने कहा हनुमान की तरह हमेशा भगवान के चरणों की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने हनुमान का अर्थ समझाते हुए कहा जिसने अपने मान को मार दिया वही हनुमान है। जिसे कोई अभिमान नहीं है वही हनुमान है। आचार्य विनीत डबराल वत्सल ने शबरी की भक्ति को समझाते हुए कहा भगवान परीक्षा से नही वरन प्रतीक्षा से मिलते हैं। शबरी ने प्रतीक्षा की जब कि हम परीक्षा लेते रहते हैं। मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र चड्ढा ने बताया, 18 जून को पटेल नगर मुख्य बाजार में निर्जला एकादशी पर्व पर मीठे शरबत का वितरण किया जायेगा। मौके पर प्रधान अवतार मुनियाल, महामंत्री गोविंद मोहन, गौरव कोहली, मनोज सूरी, तेजेंद्र हरजाई, राजू गोलानी, पंकज चांदना, यशपाल मग्गो, विनोद भाटिया, मनीष भाटिया, डॉली रानी, उर्मिला रावत, मोना सूरी, ज्योति कोहली, कमलेश मग्गो, श्यामा बक्शी, शशि कोहली, नीतू बत्रा, सुमन दुआ, वीना चड्ढा आदि मौजूद रहे।

क्रेडिट कार्ड में मेडिकल खर्च एक्टिव होने का झांसा दे 81 हजार ठगे

देहरादून। क्रेडिट कार्ड में मेडिकल सुविधा एक्टिव होने का झांसा देकर साइबर ठग ने एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड से 81,3221 रुपये खर्च कर दिए। धोखाधड़ी को लेकर मुकेश कुमार की तहरीर पर गढ़ी कैंट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर कैंट जीसी शर्मा ने बताया कि मुकेश कुमार निवासी गोविंद गढ़ ने तहरीर दी। बताया कि उन्हें बीते 29 मई को अंजान नंबर से फोन आया। कहा कि उनके क्रेडिट कार्ड पर मेडिकल सुविधा की पालिसी एक्टिवेट हो गई है। इसका काफी खर्च बताया।

चकराता में पर्यटकों के उमड़ने से कारोबार में तेजी

विकासनगर। गर्मी और लू से निजात पाने के लिए इन दोनों पर्यटक पहाड़ी क्षेत्र का रुख कर रहे हैं। वीकेंड पर चकराता में बड़ी संख्या में पर्यटक उमड़े। छावनी बाजार समेत आसपास के पर्यटन स्थल पर्यटकों से गुलजार रहे। पूरे क्षेत्र में जाम की स्थिति भी बनी रही। शनिवार सुबह से ही सैलानियों के चकराता में उमड़ने से स्थानीय व्यापारियों के चेहरों पर रंगत नजर आई। चकराता के व्यापार में भी तेजी आई। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े अमित अरोड़ा, अशोक कुमार गोयल, राजेंद्र अरोड़ा, प्रताप चौहान आदि का कहना है कि शनिवार से होटल, रेस्टोरेंट के साथ ही स्थानीय लोगों का कारोबार भी अच्छा रहा है। टूरिस्ट डेवलपमेंट एंड होटल

एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम पंवार, अमित जोशी, दिगंबर चौहान, पंकज जैन, राहुल चांदना, संजय तोमर, अनुपम तोमर का कहना है कि पर्यटकों को कई होमस्टे, रिजॉर्ट और होटल में स्थानीय व्यंजन परोसे जा रहे हैं। इसका स्वाद चख कर पर्यटक काफी खुश हो रहे हैं। इसके अलावा पर्यटक बाजारों से लोकल उत्पाद भी खरीद रहे हैं। कहा कि इन दिनों स्थानीय युवा पर्यटकों से ट्रैकिंग, कैंपिंग, ज़िप लाइन जैसी रोमांचक गतिविधियां कराकर अच्छी खासी कमाई कर रहे हैं। ज्यादा पर्यटकों के आने से शनिवार सुबह से ही छावनी बाजार चकराता सहित आसपास के होटल, होम स्टे, रिजॉर्ट फुल रहे। रविवार को आने वाले पर्यटक कमरों की तलाश में घूमते नजर आए। पर्यटकों ने सुबह से ही चकराता के टाइगर फॉल, देववन, मोयला टॉप, कनासर, मुंडाली, किमोना फॉल, कोटी बेनाल वाटर फाल, लोखंडी, चेरना, चौरानी, बैराटखाई, सनसेट, सनराइज प्वाइंट, चिंताहरण महादेव मंदिर आदि जगहों पर पहुंचकर प्राकृतिक सौंदर्य का दर्शन किया।

सीएमओ ने किया पुरोला अस्पताल का निरीक्षण

उत्तरकाशी।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बीएस रावत पुरोला की बीडीसी में हिस्सा लेने के बाद शनिवार को पुरोला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को चिकित्सा इकाई में आवश्यक जीवनरक्षक औषधियां, आवश्यक उपकरण और अन्य मेडिकल सुविधाओं को हर समय तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक प्रसव संस्थागत ही कराये जाएं। इस कार्य हेतु आशा कार्यकत्रियों, आशा फैसिलिटेटरों एवं अन्य फील्ड स्तर के कर्मियों द्वारा ग्राम स्तर पर नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाया जाए।

जूहा प्रधानाध्यापकों की पदोन्नति की मांग

उत्तरकाशी। उत्तराखंड जूनियर हाईस्कूल प्रधानाध्यापक समिति से जुड़े शिक्षकों ने राजकीय जूनियर हाईस्कूलों में कार्यरत प्रधानाध्यापकों की पदोन्नति की मांग को लेकर शिक्षा सचिव को ज्ञापन सौंपा है। समिति के अध्यक्ष ने सुंदर नारायण मिश्रा ने रविवार को बताया कि 30 प्रतिशत कोटा निश्चित कर हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नति का रास्ता खोला जाय। शिक्षा सचिव से वार्ता करने गए समिति के प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन देकर कहा कि राजकीय जूनियर हाईस्कूलों में कार्यरत प्रधानाध्यापकों की तीसरी पदोन्नति मिले। जिस प्रकार से प्राथमिक में प्रधानाध्यापक व उच्च प्राथमिक में सहायक अध्यापक को एलटी समायोजन में 30 फीसदी कोटा निश्चित किया गया है, उसी प्रकार राजकीय जूनियर हाई स्कूलों में कार्यरत प्रधानाध्यापकों को 30 प्रतिशत कोटा निश्चित कर पदोन्नति का रास्ता खोला जाय। इसके अलावा प्रदेश के विकासखण्डों में रिक्त उपशिक्षाधिकारी के पदों पर रिक्ति की अवधि तक विकासखण्ड मुख्यालय के निकट राजूहा स्कूल के प्रधानाध्यापक को प्रभार मिले। प्रत्येक मॉडल स्कूल में 5,400 ग्रेड पे का वरिष्ठ प्रधानाध्यापक पद सृजित कर कार्यरत प्रधानाध्यापकों के लिए पदोन्नति का अवसर मिले।

नौगांव में बौखनाग मेले में देव डोली नृत्य देखने उमड़ी भीड़

उत्तरकाशी। नौगांव विकासखंड के भाटिया गांव में रविवार को आयोजित बाबा बौखनाग के दो दिवसीय मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। रविवार को मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में महिलाओं और पुरुषों ने प्रतिभाग किया। देव डोली नृत्य और पारंपरिक वेशभूषा में सजी धजी महिलाओं का हारूल व तांदी नृत्य लोगों के बीच मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर बाबा बौखनाग ने अवतरित होकर भक्तों को सुख समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद दिया। भाटिया गांव में रविवार को दूर दराज क्षेत्र से पहुंचे भक्तों ने बाबा बौखनाग को फल, चुनरी, सोने व चांदी के छत्र चढ़ाए। थोलूका मैदान में महिलाएं अपनी पुरानी रीति रिवाज में सज धज कर हारूल तांदी लोक नृत्य करने पहुंचीं। रविवार को ही बाबा की डोली कसेरू गांव के लिए रवाना हुई। इस दौरान मेले में बाहर से आए मेहमानों का सत्कार किया गया। इस मेले कि विशेषता है कि मेले में जितना मेहमानों का सत्कार किया जाता है, उतना ही बाबा प्रसन्न होकर गांव की रक्षा करते हैं। ग्रामीणों के द्वारा सभी मेहमानों का भावपूर्ण ढंग से सत्कार किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष जयेंद्र सिंह रावत, रमेश रमोला, सोवेंद्र सिंह रावत, यशवंत सिंह, प्रताप राणा, प्रधान राकेश लाल, मनमोहन सिंह रावत, विनोद रावत, सुरेश राणा, गौतम सिंह रावत, रुकम सिंह रमोला सहित सैकड़ों थे।

जीवन बचाने के लिए जल संरक्षण बेहद जरूरीः डॉ प्रेमचंद अग्रवाल

उत्तरकाशी। कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने रविवार को आयोजित जल उत्सव कार्यक्रम में कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए हमें पानी और पर्यावरण को बचाने की मुहिम में जुटना होगा। जल संकट की आहट से सचेत व सजग होकर पानी के संरक्षण व सदुपयोग के लिए हमें अभी से काम करने की जरूरत है। वरना भविष्य में जल संकट काफी गहरा सकता है।

रविवार को शहरी विकास व जिले के प्रभारी मंत्री प्रेमचंद ने अग्रवाल जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत भटवाड़ी विकासखंड के बग्याल गांव में आयोजित ह्यजल उत्सवह्य कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने पौधारोपण और बीज बम फेंककर पानी व पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों में सभी लोगों से व्यापक स्तर पर सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बग्याल गांव के पंचायती चौक में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि इन दिनों राज्य का काफी क्षेत्र वनाग्नि की चपेट में आया है, जो काफी चिंताजनक है। अगर हमने अपनी इन प्रवृत्तियों पर रोक नहीं लगाई जो आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी का काफी संकट पैदा हो सकता है। इस मौके पर डीएम डॉ.मेहरबान सिंह बिष्ट ने कैबिनेट मंत्री को जल संरक्षण अभियान एवं अन्य कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रमुख भटवाड़ी विनीता रावत, शैलेंद्र कोहली, ग्राम प्रधान प्रथम सिंह नेगी, क्षेपंस पूजा डंगवाल, नरेश सिंह, भाजपा नेता हरीश डंगवाल, जगमोहन रावत, विजय बडोनी, राजेंद्र गंगाड़ी भी रहे।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338